Drishti IAS Presents...

PT SPRINT 2022

प्राचीन इतिहास और संस्कृति

(जनवरी 2021 – मार्च 2022)

Detailed Explanation

Drishti IAS, 641, Mukherjee Nagar, Opp. Signature View Apartment, New Delhi

Drishti IAS, 21 Pusa Road, Karol Bagh New Delhi - 05

Drishti IAS, Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj, Uttar Pradesh

Drishti IAS, Tonk Road, Vasundhra Colony, Jaipur, Rajasthan

e-mail: englishsupport@groupdrishti.com, Website: www.drishtiias.com
Contact: 011430665089, 7669806814, 8010440440

उत्तर

1.

उत्तर: C

व्याख्या:

कोन्याक के बारे में:

- कोन्याक सबसे बड़ी जनजाति हैं, इसके बाद नगालैंड में एओ, तंगखुल, सेमा और अंगामी हैं। अत: कथन 1 सही है।
- अन्य नगा जनजातियों में लोथा, संगतम, फोम, चांग, खिमनुंगम, यिमचुंगरे, जेलियांग, चाखेसांग (चोकरी) और रेंगमा शामिल हैं।
- माना जाता है कि 'कोन्याक' शब्द 'व्हाओ' शब्द से लिया गया है जिसका अर्थ है 'सिर' और 'न्याक' का अर्थ है 'काला'। इसका अनुवाद 'काले बालों वाला पुरुष' है।
- उन्हें दो समूहों में बाँटा जा सकता है- 'थेंडु', जिसका अर्थ है 'टैटू वाला चेहरा' और 'थेंथो', जिसका अर्थ है 'सफेद चेहरा'।
- तीन सबसे महत्त्वपूर्ण त्योहार एओलिंगमोन्यु, एओनिमो और लाउन-ओंगमो हैं।
  - एओलिंगमोन्यु अप्रैल के पहले सप्ताह में बीज बोने के बाद मनाया जाता है और यह नए साल की शुरुआत का प्रतीक है। इसका धार्मिक महत्त्व समृद्ध फसल के लिये भगवान को प्रसन्न करना है। अत: कथन 2 सही है।
  - पहली फसल जैसे- मक्का और सब्जियों की कटाई के बाद जुलाई या अगस्त में एओनिमो मनाया जाता है।
  - लाउन-ओंगमो एक धन्यवाद देने वाला त्योहार है और सभी कृषि गतिविधियों के पूरा होने के बाद मनाया जाता है।

2.

उत्तर: A

व्याख्या:

जगन्नाथ मंदिर:

- ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी में पूर्वी गंग राजवंश (Eastern Ganga Dynasty) के राजा अनंतवर्मन चोडगंग देव द्वारा किया गया था। अत: कथन 1 सही है।
- जगन्नाथ पुरी मंदिर को 'यमनिका तीर्थ' भी कहा जाता है, जहाँ हिंदू मान्यताओं के अनुसार, पुरी में भगवान जगन्नाथ की उपस्थिति के कारण मृत्यु के देवता 'यम' की शक्ति समाप्त हो गई है।
- इस मंदिर को "सफेद पैगोडा" कहा जाता था और यह चारधाम तीर्थयात्रा (बद्रीनाथ, द्वारका, पुरी, रामेश्वरम) का एक हिस्सा है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- मंदिर के चार (पूर्व में 'सिंह द्वार', दक्षिण में 'अश्व द्वार', पश्चिम में 'व्याघरा द्वार' और उत्तर में 'हस्ति द्वार') मुख्य द्वार हैं। प्रत्येक द्वार पर नक्काशी की गई है।
- इसके प्रवेश द्वार के सामने अरुण स्तंभ या सूर्य स्तंभ स्थित है, जो मूल रूप से कोणार्क के सूर्य मंदिर में स्थापित था।

3.

उत्तर: B

व्याख्या:

प्राचीन सभ्यताएं और उनके स्थान:

- माया सभ्यता- मेक्सिको। अत: विकल्प B सही सुमेलित नहीं है।
- इंकान सभ्यता- इक्वाडोर, पेरू और चिली
- एज़्टेक सभ्यता- मेक्सिको
- रोमन सभ्यता- रोम
- फारसी सभ्यता- ईरान
- प्राचीन यूनानी सभ्यता- ग्रीस
- चीनी सभ्यता- चीन
- प्राचीन मिस्र की सभ्यता - मिस्र
- सिंधु घाटी सभ्यता- पाकिस्तान से उत्तर-पूर्व अफगानिस्तान और उत्तर-पश्चिम भारत
- मेसोपोटामिया सभ्यता- इराक, सीरिया और तुर्की

4.

उत्तर: B

व्याख्या:

गुरु गोबिंद सिंह:

- दस सिख गुरुओं में से अंतिम गुरु गोबिंद सिंह का जन्म 22 दिसंबर,1666 को पटना, बिहार में हुआ था। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- उनकी जयंती नानकशाही कैलेंडर पर आधारित है।

- गुरु गोबिंद सिंह अपने पिता 'गुरु तेग बहादुर' यानी नौवें सिख गुरु की मृत्यु के बाद 9 वर्ष की आयु में 10वें सिख गुरु बने। वर्ष 1708 में उनकी हत्या कर दी गई थी।
- उन्होंने खालसा या पाँच 'क' के सिद्धांत की भी स्थापना की।
  - पाँच 'क' केश (बिना कटे बाल), कंघा (लकड़ी की कंघी), कारा (लोहे या स्टील का ब्रेसलेट), कृपाण (डैगर) और कचेरा (छोटी जाँघिया) हैं। अत: कथन 2 सही है।
- उन्होंने खालसा योद्धाओं के पालन करने हेतु कई अन्य नियम भी निर्धारित किये, जैसे- तंबाकू, शराब, हलाल मांस से परहेज आदि। खालसा योद्धा निर्दोष लोगों को उत्पीड़न से बचाने के लिये भी कर्तव्यनिष्ठ थे।
- उन्होंने अपने बाद गुरु ग्रंथ साहिब (खालसा और सिखों की धार्मिक पुस्तक) को दोनों समुदायों का अगला गुरु घोषित किया।

5.

उत्तर: D

व्याख्या:

कत्थक:

- कत्थक शब्द का उदभव कथा शब्द से हुआ है जिसका शाब्दिक अर्थ है कथा कहना। यह नृत्य मुख्य रूप से उत्तरी भारत में किया जाता है।
- यह मुख्य रूप से एक मंदिर या गाँव का प्रदर्शन था जिसमें नर्तक प्राचीन ग्रंथों की कहानियाँ सुनाते थे। और यह भारत के शास्त्रीय नृत्यों में से एक है। अत: कथन 1 सही है।
- पंद्रहवीं और सोलहवीं शताब्दी में भक्ति आंदोलन के प्रसार के साथ कत्थक नृत्य एक विशिष्ट विधा के रूप में विकसित हुआ। अत: कथन 2 सही है।
  - राधा-कृष्ण की किंवदंतियों को सर्वप्रथम 'रास लीला' नामक लोक नाटकों में प्रयोग किया गया था, जिसमें बाद में कत्थक कथाकारों के मूल इशारों के साथ लोक नृत्य को भी जोड़ा गया।
  - कत्थक को मुगल सम्राटों और उनके रईसों के अधीन दरबार में प्रदर्शित किया जाता था, जहाँ इसने अपनी वर्तमान विशेषताओं को प्राप्त कर लिया और एक विशिष्ट शैली के रूप में विकसित हुआ।
  - अवध के अंतिम नवाब वाजिद अली शाह के संरक्षण में यह एक प्रमुख कला रूप में विकसित हुआ।

6.

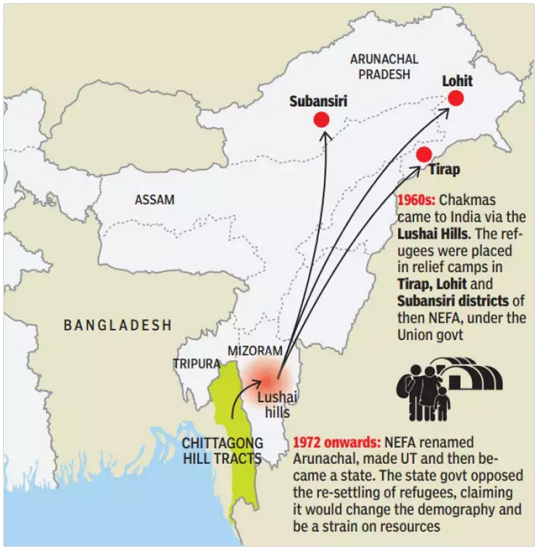

7.

उत्तर: C

व्याख्या

- सहायक संधि
  - लॉर्ड वेलेजली ने वर्ष 1798 में भारत में सहायक संधि प्रणाली की शुरुआत की, जिसके तहत सहयोगी भारतीय राज्य के शासकों को अपने शत्रुओं के विरुद्ध अंग्रेज़ों से सुरक्षा प्राप्त करने के बदले ब्रिटिश सेना के रखरखाव के लिये आर्थिक भुगतान करने को बाध्य किया गया था। अत: कथन 1 सही है।
  - सहायक संधि करने वाले देशी राजा अथवा शासक किसी अन्य राज्य के विरुद्ध युद्ध की घोषणा करने या अंग्रेज़ों की सहमति के बिना समझौते करने के लिये स्वतंत्र नहीं थे।
  - यह संधि राज्य के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने की नीति थी, लेकिन इसका पालन अंग्रेज़ों ने कभी नहीं किया। अत: कथन 2 सही है।
  - मनमाने ढंग से निर्धारित एवं भारी-भरकम आर्थिक भुगतान ने राज्यों की अर्थव्यवस्था को नष्ट कर दिया एवं राज्यों के लोगों को गरीब बना दिया।
  - वहीं ब्रिटिश अब भारतीय राज्यों के व्यय पर एक बड़ी सेना रख सकते थे।
    - वे संरक्षित सहयोगी की रक्षा एवं विदेशी संबंधों को नियंत्रित करते थे तथा उनकी भूमि पर शक्तिशाली सैन्य बल की तैनाती करते थे।
  - लॉर्ड वेलेजली ने वर्ष 1798 में हैदराबाद के निज़ाम के साथ 'सहायक संधि' पर हस्ताक्षर किये। अत: कथन 3 सही नही है।

- इस संधि पर वर्ष 1801 में अवध के नवाब को हस्ताक्षर करने के लिये मज़बूर किया गया।
- पेशवा बाजीराव द्वितीय ने वर्ष 1802 में बेसिन में सहायक संधि पर हस्ताक्षर किये।

8.

उत्तर: D

व्याख्या:

- हिंदी भाषा को अपना नाम फारसी शब्द 'हिंद' से प्राप्त हुआ है, जिसका अर्थ है 'सिंधु नदी की भूमि'। 11वीं शताब्दी की शुरुआत में तुर्की के आक्रमणकारियों ने सिंधु नदी के आसपास के क्षेत्र की भाषा को हिंदी यानी 'सिंधु नदी की भूमि की भाषा' नाम दिया।
  - यह भारत की राजभाषा है, अंग्रेज़ी दूसरी अन्य राजभाषा है।
- भारत के बाहर कुछ देशों में भी हिंदी बोली जाती है, जैसे मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम, गुयाना, त्रिनिदाद और टोबैगो तथा नेपाल में।
- हिन्दी अपने वर्तमान स्वरूप में विभिन्न अवस्थाओं के माध्यम से उभरी है जिसके दौरान इसे अन्य नामों से जाना जाता था। प्राचीन हिंदी का सबसे प्रारंभिक रूप अपभ्रंश (Apabhramsa) था।
- 400 ईस्वी में कालिदास ने अपभ्रंश में विक्रमोर्वशियम नामक एक रोमांटिक नाटक लिखा।
- आधुनिक देवनागरी लिपि 11वीं शताब्दी में अस्तित्त्व में आई। अत: विकल्प D सही है।

9.

उत्तर: C

व्याख्या:

- होयसल वास्तुकला 11वीं एवं 14वीं शताब्दी के बीच होयसल साम्राज्य के अंतर्गत विकसित एक वास्तुकला शैली है जो ज़्यादातर दक्षिणी कर्नाटक क्षेत्र में केंद्रित है।
- होयसल मंदिर, हाइब्रिड या बेसर शैली के अंतर्गत आते हैं क्योंकि उनकी अनूठी शैली न तो पूरी तरह से द्रविड़ है और न ही नागर।
  - होयसल मंदिर एक बुनियादी द्रविड़ियन आकृति पर आधारित हैं, लेकिन इस पर मध्य भारत में व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली भूमिजा मोड (Bhumija mode), उत्तरी और पश्चिमी भारत की नागर परंपराओं व कल्याणी चालुक्यों द्वारा समर्थित कर्नाटक द्रविड़ मोड के मज़बूत प्रभाव दिखाई देते हैं। अत: कथन 1 सही है।
- होयसल मंदिरों में खंभे वाले हॉल के साथ एक साधारण आंतरिक कक्ष की बजाय केंद्रीय स्तंभ वाले हॉल के चारों ओर समूह में कई मंदिर शामिल होते हैं और यह संपूर्ण संरचना एक जटिल डिज़ाइन वाले तारे के आकार में होती है। अत: कथन 2 सही है।

10.

उत्तर: B

व्याख्या:

- वर्ष 1017 में तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में जन्मे रामानुजाचार्य एक वैदिक दार्शनिक और समाज सुधारक थे। अत: कथन 1 सही है।
- उन्होंने समानता और सामाजिक न्याय का समर्थन करते हुए पूरे भारत की यात्रा की।
- इन्होंने भक्ति आंदोलन को पुनर्जीवित किया और उनके उपदेशों ने अनेक भक्ति विचारधाराओं को प्रेरित किया। इन्हें अन्नामाचार्य, भक्त रामदास, त्यागराज, कबीर व मीराबाई जैसे कवियों के लिये प्रेरणा माना जाता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- रामानुजाचार्य वेदांत के विशिष्टाद्वैतवाद की उप-शाखा के मुख्य प्रस्तावक के रूप में प्रसिद्ध हैं। अत: कथन 3 सही है।

11.

उत्तर: C

व्याख्या:

महाराजा सूरजमल:

- उन्होंने 18वीं शताब्दी में शासन किया तथा वह जाट सरदार बदन सिंह के पुत्र थे।
- वह एक महान नेता, महान सेनानी, महान राजनयिक और अपने समय के एक महान राजनेता थे।
- उनकी राजनीतिक समझ, स्थिर बुद्धि और स्पष्ट दृष्टिकोण के कारण उन्हें "जाट लोगों का प्लेटो" तथा एक आधुनिक लेखक द्वारा "जाट ओडीसियस" के रूप में वर्णित किया गया था। अत: कथन 1 सही है।
- उन्होंने हिंदू और मुसलमानों के विभिन्न गुटों को एकजुट किया तथा उनमें एकता स्थापित की।
- उन्होंने अन्य धर्मों के राजाओं द्वारा बनाए गए ऐतिहासिक स्मारकों की देखभाल की और लोगों को योग्यता के अनुसार उच्च पदों पर नियुक्त किया, चाहे उनकी जाति कुछ भी हो।
- उनका मानना था कि मानवता ही मनुष्य का एकमात्र धर्म है।
- उन्होंने "एक राष्ट्र के रूप में भारत" की कल्पना की और राष्ट्रीय एकता स्थापित करने में अपना जीवन समर्पित कर दिया।
- महाराजा सूरजमल किसानों को समाज का सबसे महत्त्वपूर्ण वर्ग मानते थे और उनका बहुत सम्मान करते थे।
- पानीपत की तीसरी लड़ाई 1761 में मराठों और अफगान जनरल अहमद शाह अब्दाली की सेनाओं के बीच लड़ी गई थी।
- दिल्ली से लगभग 90 किलोमीटर उत्तर में लड़ी गई इस लड़ाई में अफगानों ने जीत हासिल की और मराठों के लगभग 40,000 सैनिक मारे गए।

- महाराजा सूरजमल ने इस युद्ध में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। अत: कथन 2 सही है।

12.

उत्तर: C

व्याख्या

- पाइका (उच्चारण 'पाइको', शाब्दिक रूप से 'पैदल सैनिक') 16वीं शताब्दी के बाद से ओडिशा में राजाओं द्वारा विभिन्न सामाजिक समूहों से वंशानुगत कर-मुक्त भूमि (निश-कर जागीर) और उपाधियों के बदले सैन्य सेवाएँ प्रदान करने के लिये भर्ती किया गया वर्ग था।
- वर्ष 1817 का पाइका विद्रोह वर्ष 1857 के पहले सिपाही विद्रोह से लगभग 40 वर्ष पूर्व हुआ था।
  - बक्शी जगबंधु विद्याधर महापात्र भरमारबार राय, मुकुंद देव द्वितीय के सर्वोच्च सैन्य जनरल और रोडंगा एस्टेट के पूर्व धारक ने कोंधों के विद्रोह में शामिल होकर पाइका की एक सेना का नेतृत्व किया। उन्होंने 2 अप्रैल, 1817 को अंग्रेज़ों का सामना किया।
- हाल ही में केंद्र सरकार ने कहा कि पाइका विद्रोह (Paika Rebellion) को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम नहीं कहा जा सकता।
  - यह भी सुझाव दिया गया है कि इसे राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) की कक्षा 8 की इतिहास की पाठ्यपुस्तक में केस स्टडी के रूप में शामिल किया जाए।
  - वर्ष 2017 में पहली बार ओडिशा राज्य मंत्रिमंडल ने पाइका विद्रोह को पहले स्वतंत्रता संग्राम के रूप में घोषित करने हेतु केंद्र से आग्रह करने का प्रस्ताव पारित किया था। अत: विकल्प C सही है।

13.

उत्तर: B

व्याख्या:

- हाल ही में त्रिपुरा में कई आदिवासी संगठनों ने क्षेत्र में स्वदेशी समुदायों के लिये एक अलग राज्य ग्रेटर टिपरालैंड की मांग के लिये हाथ मिलाया है।
  - टिपरा (TIPRA) मोथा (टिपरा इंडिजिनस प्रोग्रेसिव रीजनल अलायंस) और IPFT (इंडिजिनस पीपल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा) ने इस उद्देश्य के लिये एक राजनीतिक दलों का गठन किया है।
- त्रिपुरा 13वीं शताब्दी के अंत से वर्ष 1949 में भारत सरकार के साथ विलय पर हस्ताक्षर करने तक माणिक्य वंश द्वारा शासित एक राज्य था। अत: विकल्प B सही है।
- संयुक्त मंच ने यह भी बताया है कि स्वदेशी लोगों को न केवल अल्पसंख्यक में बदल दिया गया है, बल्कि माणिक्य वंश के अंतिम राजा बीर बिक्रम किशोर देबबर्मन द्वारा उनके लिये आरक्षित भूमि से भी उन्हें बेदखल कर दिया गया है।

14.

उत्तर: D

व्याख्या:

- शिवाजी का जन्म 19 फरवरी, 1630 को वर्तमान महाराष्ट्र राज्य में पुणे ज़िले के शिवनेरी किले में हुआ था।
- आरंभिक जीवन:
  - इन्होंने वर्ष 1645 में पहली बार अपने सैन्य उत्साह का प्रदर्शन किया, जब किशोर उम्र में ही इन्होंने बीजापुर के अधीन तोरण किले (Torna Fort) पर सफलतापूर्वक नियंत्रण प्राप्त कर लिया।
  - इन्होंने कोंडाना किले (Kondana Fort) पर भी अधिकार किया। ये दोनों किले बीजापुर के आदिल शाह के अधीन थे।
- महत्त्वपूर्ण युद्ध :
  - संगमनेर का युद्ध, वर्ष 1679 में मुगल साम्राज्य और मराठा साम्राज्य के बीच लड़ा गया। यह आखिरी युद्ध था जिसमें मराठा राजा शिवाजी लड़े थे।
- महत्त्वपूर्ण संधियाँ:
  - जून 1665 में शिवाजी और राजा जय सिंह प्रथम (औरंगजेब का प्रतिनिधित्व) के बीच पुरंदर की संधि (Treaty of Purandar) पर हस्ताक्षर किये गए।
    - इस संधि के अनुसार, मराठों को कई किले मुगलों को देने पड़े और शिवाजी, औरंगज़ेब से आगरा में मिलने के लिये सहमत हुए। शिवाजी अपने पुत्र संभाजी को भी आगरा भेजने के लिये तैयार हो गए।
- दी गई उपाधि:
  - इन्होंने छत्रपति, शाककार्ता, क्षत्रिय कुलवंत और हैंदव धर्मोधारक की उपाधि धारण की थी। अत: विकल्प D सही है।

15.

उत्तर: A

व्याख्या:

- गुरु तेग बहादुर नौवें सिख गुरु थे, जिन्हें अक्सर सिखों द्वारा 'मानवता के रक्षक' (श्रीष्ट-दी-चादर) के रूप में याद किया जाता था।
  - गुरु तेग बहादुर एक महान शिक्षक के अलावा एक उत्कृष्ट योद्धा, विचारक और कवि भी थे, जिन्होंने आध्यात्मिक, ईश्वर, मन और शरीर की प्रकृति के विषय में विस्तृत वर्णन किया।
  - उनके लेखन को पवित्र ग्रंथ 'गुरु ग्रंथ साहिब' (Guru Granth Sahib) में 116 काव्यात्मक भजनों के रूप में रखा गया है।
  - ये एक उत्साही यात्री भी थे और उन्होंने पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में उपदेश केंद्र स्थापित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

- इन्होंने ऐसे ही एक मिशन के दौरान पंजाब में चाक-नानकी शहर की स्थापना की, जो बाद में पंजाब के आनंदपुर साहिब का हिस्सा बन गया।
- गुरु तेग बहादुर को वर्ष 1675 में दिल्ली में मुगल सम्राट औरंगज़ेब के आदेश के बाद मार दिया गया। अत: विकल्प A सही है।

16.

उत्तर: A

व्याख्या:

- हाल ही में कोलकाता की दुर्गा पूजा को मानवता की 'अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' (ICH) की यूनेस्को की प्रतिनिधि सूची में अंकित किया गया है।
  - मानवता के यूनेस्को ICH के रूप में मान्यता प्राप्त करने वाला यह एशिया का पहला त्योहार है।
- दुर्गा पूजा पाँच दिवसीय त्योहार है जो नौ दिवसीय नवरात्रि उत्सव की पाँचवीं रात से शुरू होता है और दसवें दिन दशमी को समाप्त होता है।
  - इस समय के दौरान, लोग सामूहिक रूप से देवी दुर्गा की पूजा करते हैं और उनका आह्वान करते हैं, जिन्हें ब्रह्मांड की ऊर्जा स्त्री माना जाता है, जिन्हें 'शक्ति' भी कहा जाता है। अत: विकल्प A सही है।

17.

उत्तर: B

व्याख्या:

भारत में पशु खेल:

- जल्लीकट्टू: जल्लीकट्टू जिसे 'एरुथाज़ुवुथल' (Eruthazhuvuthal) के नाम से भी जाना जाता है तमिलनाडु का एक पारंपरिक खेल है, जो फसलों की कटाई के अवसर पर पोंगल के समय आयोजित किया जाता है। जिसमे बैलों से इंसानों की लड़ाई कराई जाती है। अत: युग्म 1 सुमेलित नहीं है।
- कंबाला:कंबाला कीचड़ और मिटटी से भरे धान के खेतों में एक पारंपरिक भैंस दौड़ है जिसका आयोजन आम तौर पर नवंबर से मार्च माह तक तटीय कर्नाटक (उडुपी और दक्षिण कन्नड़) में होता है। अत: युग्म 2 सुमेलित है।
- बुलबुल फाइट: यह असम राज्य में गुवाहाटी के पास हाजो में हयग्रीव माधव मंदिर में बिहू (फसल उत्सव) के दौरान आयोजित किया जाता है।
- अक्सर बुलबुलों को आक्रामक बनाने के लिये उन्हें नशीला पदार्थ खिला दिया जाता है। अत: युग्म 3 सुमेलित है।

18.

उत्तर: A

व्याख्या:

- ताम्रपाषाणिक संस्कृति के बारे में
  - नवपाषाण काल के अंत में धातुओं का उपयोग देखा गया। कई संस्कृतियाँ तांबे और पत्थर के औजारों के उपयोग पर आधारित थीं।
  - जैसा कि नाम से संकेत मिलता है, ताम्रपाषाण काल (चाल्को = ताम्र और लिथिक = पाषाण) के दौरान, धातु और पत्थर दोनों का उपयोग दैनिक जीवन में उपकरणों के निर्माण के लिये किया जाता था।
  - यह भारत में प्रथम धातु युग की शुरुआत थी इसलिये तांबे और इसकी मिश्र धातु कांसा जो कम तापमान पर पिघल जाती थी,
  - ताम्रपाषाण संस्कृति की विशेषता पहिया एवं मिट्टी के बर्तन थे जो ज़्यादातर लाल और नारंगी रंग के होते थे।
- मालवा संस्कृति एक ताम्रपाषाणकालीन पुरातात्विक संस्कृति थी जो मध्य भारत के मालवा क्षेत्र और दक्कन प्रायद्वीप में महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में मौजूद थी।
  - मालवा संस्कृति के स्थलों में दाइमाबाद, इनामगाँव, कायथा, नागदा, विदिशा, एरण, मंदसौर और नवदाटोली (महेश्वर के पास) शामिल हैं। अत: विकल्प A सही है।

19.

उत्तर: C

व्याख्या:

- हालही में शिक्षा राज्य मंत्री द्वारा तोलकाप्पियम (Tolkāppiyam) के हिंदी अनुवाद और शास्त्रीय तमिल साहित्य की 9 पुस्तकों के कन्नड़ अनुवाद का विमोचन किया गया।
- तमिल साहित्य संगम युग से जुड़ा हुआ है, जिसका नाम कवियों की सभा (संगम) के नाम पर रखा गया है।
- संगम काल लगभग तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व के मध्य की अवधि है। दक्षिण भारत (कृष्णा एवं तुंगभद्रा नदी के दक्षिण में स्थित क्षेत्र) में लगभग तीन सौ ईसा पूर्व से तीन सौ ईस्वी के बीच की अवधि को संगम काल के नाम से जाना जाता है।
  - इसका नाम उस अवधि के दौरान आयोजित संगम अकादमियों/सभाओं के नाम पर रखा गया है जो मदुरै के पांड्य राजाओं के शाही संरक्षण में फली-फूली। अत: कथन 1 सही है।
- संगम साहित्य में तोलकाप्पियम, एट्टुटोगई, पट्टुप्पट्टू, पथिनेंकिलकनक्कु ग्रंथ और शिलप्पादिकारम् और मणिमेखलै नामक दो महाकाव्य शामिल हैं।

- तोल्काप्पियम: यह तोलकाप्पियार द्वारा लिखा गया था और इसे तमिल साहित्यिक कृति में सबसे पुराना माना जाता है।
  - यह व्याकरण से संबंधित एक ग्रंथ है, साथ ही यह उस समय की राजनीतिक और सामाजिक-आर्थिक स्थितियों की जानकारी भी प्रदान करता है। अत: कथन 2 सही है।
  - यह नौ खंडों के तीन भागों में व्याकरण और काव्य पर एक अनूठा काम है, जिनमें से प्रत्येक एज़ुट्टू (अक्षर), कोल (शब्द) और पोरुल (विषय वस्तु) से संबंधित है।
  - सामान्य बोलचाल से लेकर काव्यात्मकता तक मानव भाषा के लगभग सभी स्तर तोलकाप्पियार के विश्लेषण के दायरे में आते हैं, क्योंकि वे स्वर विज्ञान, आकृति विज्ञान, वाक्य रचना, बयानबाज़ी, छंद और काव्य पर उत्कृष्ट काव्यात्मक एवं एपिग्रामेटिक बयानों में व्यवहार करते हैं।

20.

उत्तर: C

व्याख्या

- संगम साहित्य में तोलकाप्पियम, एट्टुटोगई, पट्टुप्पट्टू, पथिनेंकिलकनक्कु ग्रंथ और शिलप्पादिकारम् और मणिमेखलै नामक दो महाकाव्य शामिल हैं।
  - पाथिनेंकिलकणक्कु (Pathinenkilkanakku): इसमें नैतिकता और नैतिकता संबंधी अठारह कार्य शामिल हैं।
  - इन कार्यों में सबसे महत्त्वपूर्ण महान तमिल कवि और दार्शनिक तिरुवल्लुवर द्वारा लिखित तिरुक्कुरल है। अत: युग्म 1 सुमेलित नहीं है।
- तमिल महाकाव्य: शिलप्पादिकारम् 'इलांगोआदिगल' द्वारा और मणिमेखलै 'सीतलैसत्तनार' द्वारा लिखे गए महाकाव्य हैं।
- वे संगम समाज और राज्य व्यवस्था के बारे में बहुमूल्य विवरण भी प्रदान करते हैं। अत: युग्म 2 और 3 सुमेलित हैं।

21.

उत्तर: D

व्याख्या:

- अपतानी बुनाई अरुणाचल प्रदेश की अपतानी जनजाति से संबंधित है जो लोअर सुबनसिरी ज़िले के मुख्यालय ज़ीरो वैली में निवास करती है। अत: कथन 1 सही है।
  - अपतानी समुदाय के लोग अनुष्ठानों और सांस्कृतिक उत्सवों सहित विभिन्न अवसरों के लिये स्वयं अपने वस्त्र बुनते हैं।
- इस जनजाति के लोगों द्वारा बुना गया कपड़ा इसके ज्यामितीय और ज़िगज़ैग पैटर्न तथा कोणीय डिज़ाइनों के लिये भी जाना जाता है। अत: कथन 3 सही है।
  - यह जनजाति मुख्य रूप से जिग ज़ीरो और जिलान या जैकेट के रूप में जानी जाने वाली शॉल बुनती है जिसे सुपुंतरी (supuntari) कहा जाता है।
- यहाँ के लोग अपने पारंपरिक तरीकों से सूती धागे को जैविक रूप में ढालने के लिये विभिन्न पत्तियों और पौधों जैसे संसाधनों का उपयोग करते हैं।
  - केवल महिलाएँ ही इस पारंपरिक बुनाई कार्य में लगी हुई हैं।
- इस जनजाति का पारंपरिक हथकरघा एक प्रकार का करघा है जिसे चिचिन कहा जाता है और यह निशि जनजाति के पारंपरिक हथकरघा के समान है। अत: कथन 2 सही है।
  - यह पोर्टेबल, स्थापित करने में आसान और एक ही बुनकर विशेष रूप से समुदाय की महिला सदस्यों द्वारा संचालित किया जाता है।

22.

उत्तर: A

व्याख्या:

- कोणार्क सूर्य मंदिर:
  - कोणार्क सूर्य मंदिर पूर्वी ओडिशा के पवित्र शहर पुरी के पास स्थित है।
  - इसका निर्माण राजा नरसिंहदेव प्रथम द्वारा 13वीं शताब्दी ((1238-1264 ई) में किया गया था। यह गंग वंश के वैभव, स्थापत्य, मज़बूती और स्थिरता के साथ-साथ ऐतिहासिक परिवेश का प्रतिनिधित्व भी करता है।
  - मंदिर को एक विशाल रथ के आकार में बनाया गया है।
  - यह सूर्य भगवान को समर्पित है।
  - कोणार्क के मंदिर न केवल अपनी स्थापत्य की भव्यता के लिये बल्कि मूर्तिकला कार्य की गहनता और प्रवीणता के लिये भी जाना जाता है।
  - यह कलिंग वास्तुकला की उपलब्धि का सर्वोच्च बिंदु है जो अनुग्रह, खुशी और जीवन की लय को दर्शाता है।
  - इसे वर्ष 1984 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।
  - कोणार्क सूर्य मंदिर के दोनों ओर 12 पहियों की दो पंक्तियाँ हैं। कुछ लोगों का मत है कि 24 पहिये दिन के 24 घंटों के प्रतीक हैं, जबकि अन्य का कहना है कि 12-12 अश्वों की दो कतारें वर्ष के 12 माह की प्रतीक हैं।
  - सात घोड़ों को सप्ताह के सातों दिनों का प्रतीक माना जाता है।
  - समुद्री यात्रा करने वाले लोग एक समय में इसे 'ब्लैक पगोडा' कहते थे, क्योंकि ऐसा माना जाता था कि यह जहाज़ों को किनारे की ओर आकर्षित करता है और उनको नष्ट कर देता है।

- कोणार्क 'सूर्य पंथ' के प्रसार के इतिहास की अमूल्य कड़ी है, जिसका उदय 8वीं शताब्दी के दौरान कश्मीर में हुआ, अंततः पूर्वी भारत के तटों पर पहुँच गया। अतः विकल्प A सही है।

23.

उत्तर: C

व्याख्या:

संगम काल:

- यह लगभग तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व के मध्य की अवधि है। दक्षिण भारत (कृष्णा एवं तुंगभद्रा नदी के दक्षिण में स्थित क्षेत्र) में लगभग तीन सौ ईसा पूर्व से तीन सौ ईस्वी के बीच की अवधि को संगम काल के नाम से जाना जाता है।
- इसका नाम उस अवधि के दौरान आयोजित संगम अकादमियों/सभाओं के नाम पर रखा गया है जो मदुरै के पांड्य राजाओं के शाही संरक्षण में फली-फूली।
  - संगमों में प्रख्यात विद्वान इकट्ठे हुए और सेंसर बोर्ड के रूप में कार्य किया तथा संकलन के रूप में सबसे अच्छे साहित्य का प्रतिपादन किया गया।
- ये साहित्यिक कृतियाँ द्रविड़ साहित्य के शुरुआती नमूने थे।

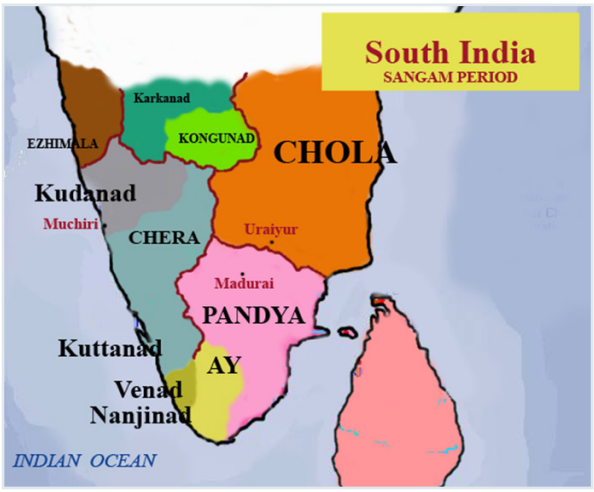

- संगम युग के दौरान दक्षिण भारत पर तीन राजवंशों- चेरों, चोल और पांड्यों का शासन था। अतः विकल्प C सही है।

24.

उत्तर: D

व्याख्या:

यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची:

- यह प्रतिष्ठित सूची उन अमूर्त विरासत तत्त्वों से बनी है जो सांस्कृतिक विरासत की विविधता को प्रदर्शित करने और इसके महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करते हैं।
- यूनेस्को के अनुसार, सांस्कृतिक विरासत स्मारकों और वस्तुओं के संग्रह पर समाप्त नहीं होती है।
  - इसमें हमारे पूर्वजों से विरासत में मिली परंपराएँ या जीवित अभिव्यक्तियाँ भी शामिल हैं और हमारे वंशजों को हस्तांतरित की जाती हैं, जैसे कि मौखिक परंपराएँ, प्रदर्शन कला, सामाजिक प्रथाएँ, अनुष्ठान, उत्सव, प्रकृति और ब्रह्मांड से संबंधित ज्ञान, अभ्यास या पारंपरिक ज्ञान और कौशल शिल्प। अतः विकल्प D सही है।

25.

उत्तर: B

व्याख्या:

- सिख परंपरा के अनुसार, सिख धर्म की स्थापना गुरु नानक (1469-1539) द्वारा की गई थी और बाद में नौ अन्य गुरुओं ने इसका नेतृत्व किया।
- सिख धर्म का विकास भक्ति आंदोलन और वैष्णव हिंदू धर्म से प्रभावित था। अतः कथन 1 सही है।
- सिख अपने पंथ को गुरुमत (गुरु का मार्ग- The Way of the Guru) कहते हैं।
  - खालसा (Khalsa) प्रतिबद्धता, समर्पण और सामाजिक विवेक के सर्वोच्च सिख गुणों को उजागर करता है।
  - खालसा का आशय उन 'पुरुष' और 'महिलाओं' से है, जो सिख दीक्षा समारोह के माध्यम से पंथ में शामिल हुए हैं और जो सिख आचार संहिता एवं संबंधित नियमों का सख्ती से पालन करते हैं। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- सिख धर्म उपवास, तीर्थ स्थलों का दौरा, अंधविश्वास, मृतकों की पूजा, मूर्ति पूजा आदि जैसे अंधे अनुष्ठानों की निंदा करता है। अतः कथन 3 सही है।
  - यह उपदेश देता है कि विभिन्न नस्ल, धर्म या लिंग के लोग भगवान की नज़र में समान हैं।
- आदि ग्रंथ को सिखों द्वारा शाश्वत गुरु का दर्जा दिया गया है और इसी कारण इसे 'गुरु ग्रंथ साहिब' के नाम से जाना जाता है। अतः विकल्प B सही है।

26.

उत्तर: A

व्याख्या:

- विरासत की मातृवंशीय प्रणाली के बारे में:
  - मेघालय की तीन जनजातियाँ- खासी, जयंतिया और गारो, विरासत की एक मातृवंशीय प्रणाली का अभ्यास करती हैं। इस प्रणाली में वंश और वंश का पता माता के वंश से चलता है। अतः कथन 1 सही है।

- दूसरे शब्दों में बच्चे माँ का उपनाम लेते हैं, पति अपनी पत्नी के घर में चला जाता है और परिवार की सबसे छोटी बेटी (खतदुह) को पैतृक या कबीले की संपत्ति का पूरा हिस्सा सौंपा जाता है। अत: कथन 2 सही है।
  - खतदुह भूमि की "संरक्षक" बन जाती है और भूमि से जुड़ी सभी ज़िम्मेदारी लेती है, जिसमें वृद्ध माता-पिता, अविवाहित या निराश्रित भाई-बहनों की देखभाल करना शामिल है।
- यह विरासत परंपरा केवल पैतृक या कबीले/सामुदायिक संपत्ति पर लागू होती है, जो वर्षों से परिवार के साथ हैं। इसके अलावा स्व-अर्जित संपत्ति भाई-बहनों के बीच समान रूप से वितरित की जा सकती है।
- इस पारंपरिक व्यवस्था में अगर किसी दंपति की कोई बेटी नहीं है, तो संपत्ति पत्नी की बड़ी बहन और उसकी बेटियों को सौंप दी जाती है।
  - यदि पत्नी की बहन नहीं है, तो आमतौर पर कबीला संपत्ति पर कब्जा कर लेता है। अत: कथन 3 सही नहीं है।

27.

उत्तर: D

व्याख्या:

- हाल ही में प्रधानमंत्री ने केदारनाथ (उत्तराखंड) में आदि शंकराचार्य की 12 फुट की प्रतिमा का अनावरण किया।
- आदि शंकराचार्य का जन्म 11 मई, 788 ईस्वी को कोच्चि, केरल के पास कलाडी नामक स्थान पर हुआ था।
  - 33 वर्ष की आयु में उन्होंने केदार तीर्थ में समाधि ली।
  - उन्होंने अद्वैतवाद के सिद्धांत को प्रतिपादित किया और संस्कृत में वैदिक सिद्धांत (उपनिषद, ब्रह्म सूत्र और भगवद गीता) पर कई टिप्पणियाँ लिखीं। अत: कथन 1 सही है।
  - वे बौद्ध दार्शनिकों के विरोधी थे। अत: कथन 3 सही है।
- प्रमुख कार्य
  - ब्रह्मसूत्रभाष्य (ब्रह्म सूत्र पर टिप्पणी)।
  - भजगोविंदा स्तोत्र। अत: कथन 4 सही है।
  - निर्वाण शातकम्।
  - प्राकरण ग्रंथ।
- अन्य योगदान:
  - वह भारत में उस समय हिंदू धर्म को पुनर्जीवित करने के लिये काफी हद तक ज़िम्मेदार थे जब बौद्ध धर्म लोकप्रियता प्राप्त कर रहा था।
  - सनातन धर्म के प्रचार के लिये उन्होंने शिंगेरी, पुरी, द्वारका और बद्रीनाथ में भारत के चारों कोनों पर चार मठों की स्थापना की। अत: कथन 2 सही है।

28.

उत्तर: D

व्याख्या:

- हाल ही में संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization- UNESCO) ने श्रीनगर को रचनात्मक शहरों का नेटवर्क (UNESCO Creative Cities Network- UCCN) के एक भाग के रूप में नामित किया है।
- मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद, वाराणसी और जयपुर के बाद श्रीनगर यह उपलब्धि हासिल करने वाला भारत का छठा शहर है।. अत: विकल्प D सही है।

29.

उत्तर: A

व्याख्या:

गुरु नानक जी के विषय में:

- गुरु नानक देव (1469-1539) के जन्म अवसर पर कार्तिक महीने में पूर्णिमा के दिन गुरु नानक देव जयंती मनाई जाती है।
- उन्होंने भक्ति के 'निर्गुण' रूप की शिक्षा दी। उन्होंने बलिदान, अनुष्ठान स्नान, छवि पूजा, तपस्या और हिंदुओं और मुसलमानों दोनों के ग्रंथों को अस्वीकृत किया।
- उन्होंने सामूहिक पूजा (संगत) के लिये सामूहिक पाठ से जुड़े नियम स्थापित किये।
- उन्होंने अपने शिष्यों में से एक गुरु अंगद (Preceptor) को उत्तराधिकारी के रूप में नियुक्त किया और इस प्रथा का लगभग 200 वर्षों तक पालन किया गया।
- सिख धर्म के पाँचवें गुरु अर्जुन देव ने आदि ग्रंथ साहिब में बाबा गुरु नानक के भजनों/कीर्तन को उनके चार उत्तराधिकारियों और बाबा फरीद, रविदास (जिन्हें रैदास के नाम से भी जाना जाता है) और कबीर जैसे अन्य धार्मिक कवियों के साथ संकलित किया।
  - 'गुरबानी' कहे जाने वाले इन स्तोत्रों की रचना अनेक भाषाओं में हुई है।
- भारतीय सीमा के उस पार लगभग 4 किमी. दूर करतारपुर गुरुद्वारा सिखों का पवित्र तीर्थ स्थल स्थित है। जहाँ गुरु नानक देव ने अपने जीवन के अंतिम 18 वर्ष बिताए थे। अत: विकल्प A सही है।

30.

उत्तर: D

व्याख्या:

- हाल ही में तेलंगाना के पोचमपल्ली गाँव को संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO) द्वारा सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गाँवों में से एक के रूप में चुना गया। अत: कथन 3 सही है।

- यह पुरस्कार दिसंबर 2021 में मैड्रिड (स्पेन) में UNWTO महासभा के 24वें सत्र के अवसर पर प्रदान किया जाएगा।

- पोचमपल्ली, तेलंगाना के नलगोंडा ज़िले का एक कस्बा है और इसे अक्सर उत्कृष्ट साड़ियों के लिये भारत के सिल्क सिटी के रूप में जाना जाता है, जिसे इकत (Ikat) नामक एक अनूठी शैली के माध्यम से बुना जाता है। अत: कथन 1 सही है।
  - पोचमपल्ली इकत शैली को वर्ष 2004 में एक भौगोलिक संकेतक (GI Status) के रूप में दर्ज किया गया। अत: कथन 2 सही है।
    - पोचमपल्ली की अनूठी बुनाई शैलियों और पैटर्न पर प्रधानमंत्री के 'वोकल फॉर लोकल' (Vocal for Local) के उद्देश्य के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना के एक भाग के रूप में विशेष रूप से ध्यान दिया गया है।
- 18 अप्रैल, 1951 को इस गाँव से आचार्य विनोबा भावे द्वारा शुरू किये गए भूदान आंदोलन की याद में पोचमपल्ली को भूदान पोचमपल्ली के नाम से भी जाना जाता है।

31.

उत्तर: D

व्याख्या

- 321 ईसा पूर्व में चंद्रगुप्त मौर्य ने 'चाणक्य' ('अर्थशास्त्र' के लेखक) की मदद से नंद वंश को उखाड़ फेंकने के बाद मौर्य वंश की स्थापना की।
- मौर्य साम्राज्य संपूर्ण भारतीय उपमहाद्वीप को एक ही शासन के तहत लाने वाला पहला सबसे शक्तिशाली भारतीय साम्राज्य था। अत: कथन 1 सही है।
  - अपने शासन के केंद्र में पाटलिपुत्र के साथ मौर्य साम्राज्य ने पहली बार अधिकांश दक्षिण एशिया को एकीकृत किया। अत: कथन 2 सही है।
- चंद्रगुप्त मौर्य का स्थान 298 ईसा पूर्व में उनके उत्तराधिकारी 'बिंदुसार' ने लिया, जिन्होंने कलिंग को छोड़कर वर्तमान भारत के अधिकांश हिस्सों में अपने राज्य का विस्तार किया। अत: कथन 3 सही है।
  - बिंदुसार का राज्य 274 ईसा पूर्व में उनके पुत्र अशोक महान को विरासत में मिला था।
    - कलिंग युद्ध के बाद अशोक ने रक्तपात को त्याग दिया और अहिंसा की नीति अपनाई तथा बौद्ध धर्म अपनाया।

32.

उत्तर: B

व्याख्या:

भारत पर सिकंदर का आक्रमण:

- 326 ईसा पूर्व में सिकंदर ने भारत पर आक्रमण किया, सिंधु नदी को पार करने के बाद वह तक्षशिला की ओर बढ़ा।
- फिर उसने झेलम और चिनाब नदियों के बीच के राज्य के शासक राजा पोरस को चुनौती दी। इस भीषण युद्ध (हाइडेस्पीज का युद्ध) में राजा पोरस हार गया।
  - सिकंदर ने पोरस पर कब्ज़ा कर लिया और अन्य स्थानीय शासकों की तरह, जिन्हें उसने हराया था, उसे अपने क्षेत्र पर शासन जारी रखने की अनुमति दी।
  - सिकंदर 19 महीने (326-325 ईसा पूर्व) तक भारत में रहा, उसके बाद सिकंदर और उसकी सेना घर के पश्चिम की ओर लौट आई। अत: विकल्प B सही है।

33.

उत्तर: D

व्याख्या:

- संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की प्रमुख पहल:
  - मैन एंड बायोस्फीयर प्रोग्राम
  - विश्व धरोहर कार्यक्रम
  - ग्लोबल जिओ पार्क नेटवर्क
  - रचनात्मक शहरों का नेटवर्क
  - 'एटलस ऑफ द वल्ड्र्स लैंग्वेजेज़ इन डेंजर अत: विकल्प D सही है।

34.

उत्तर: C

व्याख्या

- प्राचीन भारत में लोकतंत्र और गणतंत्रवाद के आद्य रूपों के अस्तित्व का प्रमाण है। वेद गणतांत्रिक शासन व्यवस्था में दो प्रकार की शासन व्यवस्थाएँ विद्यमान थीं:
  - राजशाही: इसमें राजा निर्वाचित होता था। इसे लोकतंत्र का प्रारंभ माना जाता है।
  - गणतंत्र: इसमें राजा या सम्राट के बजाय शक्ति संकेंद्रण एक परिषद या सभा में निहित होती थी।
    - इस सभा की सदस्यता जन्म के बजाय कर्म सिद्धांत पर आधारित थी और इसमें ऐसे लोग शामिल होते थे जिन्होंने अपने कार्यों से खुद को प्रतिष्ठित किया था।

- यहाँ तक कि विधायिकाओं की आधुनिक द्विसदनीय प्रणाली का भी एक संकेत प्राचीन संस्था सभा के रूप में प्रतिष्ठित थी जिसमें सामान्य लोगों का प्रतिनिधित्व होता था।
- नीति, सैन्य मामलों और सभी को प्रभावित करने वाले महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर बहस करने के लिये विदथ का उल्लेख ऋग्वेद में सौ से अधिक बार किया गया है। इन चर्चाओं में महिलाएँ और पुरुष दोनों हिस्सा लेते थे। अत: कथन 1 और 2 सही हैं।

35.

उत्तर: D

व्याख्या

- महाभारत के शांति पर्व के अध्याय 107/108 में भारत में गणराज्यों (जिन्हें गण कहा जाता है) की विशेषताओं के बारे में विस्तृत वर्णन है।
- बौद्ध कैनन अर्थात् संस्कृत (जिसमें अधिकांश महायान बौद्ध साहित्य लिखा गया था) और पाली (जिसमें हीनयान साहित्य का अधिकांश भाग लिखा गया था) में भारत के प्राचीन गणराज्यों की व्यवस्था का व्यापक संदर्भ मिलता है, जैसे- वैशाली के लिच्छवी।
  - बौद्ध सिद्धांत वैशाली की मगध के साथ प्रतिद्वंद्विता का भी विस्तार से वर्णन करता है, जो एक राजतंत्र था। यदि लिच्छवियों की जीत होती तो उपमहाद्वीप में शासन की गति गैर-राजशाही व्यवस्था का और विकास होता।
- महानिब्बाना सुत्त (पाली बौद्ध कृति) और अवदान शतक (दूसरी शताब्दी ईस्वी का एक संस्कृत बौद्ध पाठ) में भी उल्लेख है कि कुछ क्षेत्र सरकार के गणतंत्रात्मक रूप के अधीन थे।
- गणतंत्रात्मक स्वरुप के अन्य स्रोत पाणिनि की अष्टाध्यायी, कौटिल्य का अर्थशास्त्र आदि हैं।
  - कौटिल्य द्वारा राज्य के तत्त्व: किसी भी राज्य को सात तत्त्वों से बना माना जाता है। पहले तीन स्वामी या राजा, अमात्य या मंत्री (प्रशासन) और जनपद या प्रजा हैं।
  - राजा को प्रजा की भलाई के लिये अमात्यों की सलाह पर कार्य करना चाहिये।
  - मंत्रियों को लोगों के बीच से नियुक्त किया जाता है (अर्थशास्त्र में प्रवेश परीक्षा का भी उल्लेख है)।
  - अर्थशास्त्र के अनुसार, प्रजा के सुख और लाभ में राजा का सुख और लाभ निहित है। अत: विकल्प D सही है।

36.

उत्तर: B

व्याख्या:

- गौतम बुद्ध का जन्म शाक्य वंश के शाही परिवार में हुआ था, जिन्होंने भारत-नेपाल सीमा के पास स्थित लुंबिनी में कपिलवस्तु से शासन किया था।
  - उन्होंने एक तपस्वी का जीवन जीने के लिये 29 वर्ष की आयु में अपना घर छोड़ दिया था जिसे महाभिनिष्क्रमण के रूप में जाना जाता है।
  - उन्होंने मगध (बिहार) के गया में एक पीपल के पेड़ के नीचे ज्ञान प्राप्त किया जिसे गौतम बुद्ध और तथागत (वह जिसने सत्य को प्राप्त किया है) के रूप में जाना जाता था।
  - अत: कथन 1 सही नहीं है।
- बुद्ध ने अपना पहला उपदेश उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर के पास सारनाथ गाँव में दिया था। इस घटना को धर्म-चक्र-प्रवर्तन (कानून के पहिये का घूमना) के रूप में जाना जाता है। अत: कथन 2 सही है।
- उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में 80 वर्ष की आयु में 483 ईसा पूर्व में उनका निधन हो गया। इस घटना को महापरिनिर्वाण के नाम से जाना जाता है। अत: कथन 3 सही है।

37.

उत्तर: D

व्याख्या:

- 'बुद्ध के मार्ग' बौद्ध विरासत के आठ महान स्थानों को भी संदर्भित करते हैं (पालि भाषा में अह्ममहाहनानी (Aṭṭhamahāṭhānāni) के रूप में संदर्भित)। वे है:
  - लुंबिनी (नेपाल)- बुद्ध का जन्म।
  - बोधगया (बिहार) - ज्ञान प्राप्ति।
  - सारनाथ (वाराणसी, उत्तर प्रदेश)- प्रथम उपदेश।
  - कुशीनगर (गोरखपुर, उत्तर प्रदेश)- बुद्ध की मृत्यु।
  - राजगीर (बिहार)- जहाँ भगवान ने एक पागल हाथी को वश में किया।
  - वैशाली (बिहार)- जहाँ एक बंदर ने उन्हें शहद चढ़ाया।
  - श्रावस्ती (यूपी)- भगवान ने एक हज़ार पंखुड़ियों वाले कमल पर आसन ग्रहण किया और स्वयं के कई प्रतिरूप बनाए।
  - संकिशा (फर्रुखाबाद, उत्तर प्रदेश) - ऐसा माना जाता है कि गौतम बुद्ध स्वर्ग से धरती पर आए थे। अत: विकल्प D सही है।

38.

उत्तर: A

व्याख्या:

- हाल ही में उत्तर प्रदेश का कुशीनगर हवाई अड्डा भारत के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों की सूची में शामिल होने वाला नवीनतम हवाई अड्डा है।
  - हवाई अड्डा बौद्ध तीर्थ पर्यटन के लिये दक्षिण-पूर्व और पूर्वी एशियाई देशों के लोगों को निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।
- कुशीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे की शुरुआत भारत-श्रीलंका संबंधों में एक मील का पत्थर सिद्ध होगी।
- श्रीलंका में बौद्ध धर्म का प्रसार
  - मौर्य सम्राट अशोक (273-232 ईसा पूर्व) के शासन काल के दौरान पूर्वी भारत से भेजे गए एक मिशन द्वारा श्रीलंका में पहली बार बौद्ध धर्म का प्रचार किया गया था।
  - श्रीलंका के मिशन के नेतृत्त्वकर्त्ता, महेंद्र (महिंदा) को अशोक के पुत्र के रूप में वर्णित किया गया है। अत: विकल्प A सही है।

39.

उत्तर: A

व्याख्या:

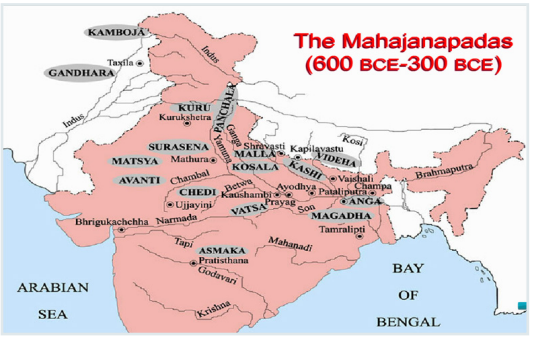

- बौद्ध और जैन ग्रंथों में तात्कालिक 16 शक्तिशाली राज्यों या महाजनपदों की सूची मिलती है।
  - महाजनपद: अंग, अस्सक, अवन्ति, चेदि, गांधार, कम्बोज, काशी, कोसल, कुरु, मगध, मल्ल, मत्स्य, पांचाल, सुरसेन, वज्जि और वत्स या वामसा।
  - अत: विकल्प A सही है।

40.

उत्तर :A

व्याख्या :

- गौड़ीय वैष्णववाद चैतन्य महाप्रभु से प्रेरित एक वैष्णव हिंदू धार्मिक आंदोलन है। अत: कथन 1 सही है।
  - यहाँ "गौड़िया" बंगाल के गौर या गौड़ क्षेत्र को वैष्णववाद के साथ संदर्भित करता है जिसका अर्थ है "विष्णु की पूजा"।
- गौड़ीय वैष्णववाद के मतानुसार, राधा और कृष्ण की भक्ति पूजा (भक्ति-योग के रूप में जाना जाता है) तथा भगवान के सर्वोच्च रूपों (स्वयं भगवान, Svayam Bhagavan) में उनके कई दिव्य अवतार हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- सबसे लोकप्रिय गीत जैसे "हरे कृष्णा और हरे रामा " के रूप में यह पूजा राधा और कृष्ण के पवित्र नामों के साथ गीत का रूप लेती है, आमतौर पर हरे कृष्णा (मंत्र) स्वर के रूप में कीर्तन किया जाता है तथा इसके साथ नृत्य भी किया जाता है।

41.

उत्तर : D

व्याख्या :

- पंज प्यारे, पाँच बपतिस्मा प्राप्त सिखों को संबोधित करने के लिये उपयोग किया जाने वाला शब्द है, अर्थात् वे पुरुष जिन्हें दस गुरुओं में से अंतिम गुरु गोबिंद सिंह के नेतृत्व में खालसा (सिख योद्धाओं का विशेष समूह) में दीक्षित किया गया था।
  - वे दृढ़ता और भक्ति के प्रतीक के रूप में सिखों द्वारा सद्भावपूर्वक सम्मानित हैं।
- गुरु गोबिंद सिंह ने वर्ष 1699 में बैसाखी के दिन खालसा पंथ के साथ-साथ पंज प्यारे नामक संस्था की स्थापना की थी।
  - गुरु गोबिंद सिंह ने पाँच लोगों को संस्कृति को संरक्षित करने हेतु अपने जीवन को आत्मसमर्पण करने का आग्रह किया। इस संदर्भ में बड़ी संख्या लोगों ने असमति प्रकट की लेकिन अंतत: पाँच स्वयंसेवक इसके लिये आगे आए।
  - गुरु गोबिंद सिंह ने स्वयं सिखों को यह अवगत कराने के लिये उसी चरण में उनसे बपतिस्मा लिया था कि पंज प्यारों के पास समुदाय में किसी की तुलना में उच्च अधिकार और निर्णय लेने की शक्ति है।
- सिख इतिहास को आकार देने और सिख धर्म को परिभाषित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले वास्तविक पंज प्यारे हैं:
  - भाई दया सिंह, लाहौर (1661-1708 ई.)
  - भाई धरम सिंह, हस्तिनापुर (1699-1708 ई.)
  - भाई हिम्मत सिंह, जगन्नाथपुरी (1661-1705 ई.)
  - भाई मोहकम सिंह, द्वारका (1663-1705 ई.)
  - भाई साहिब सिंह, बीदर (1662-1705 ई.) अत: विकल्प D सही है।

42.

उत्तर: D

व्याख्या

- गुरु गोबिंद सिंह ने सैनिक-संतों यानी 'खालसा' पंथ (जिसका अर्थ है 'शुद्ध') की स्थापना की थी। अत: कथन 1 सही है।
- खालसा पंथ से जुड़े संतों में प्रतिबद्धता, समर्पण और सामाजिक चेतना के उच्चतम गुण मौजूद होते हैं। अत: कथन 2 सही है।
- खालसा का आशय उन 'पुरुष' और 'महिलाओं' से है, जो सिख दीक्षा समारोह के माध्यम से पंथ में शामिल हुए हैं और जो सिख आचार संहिता एवं संबंधित नियमों का सख्ती से पालन करते हैं तथा गुरुओं द्वारा निर्धारित दिनचर्या (5K: केश (बिना कटे बाल), कंघा (एक लकड़ी की कंघी), कारा (एक लोहे का कंगन), कचेरा (सूती जांघिया) और कृपाण (एक लोहे का खंजर)) का पालन करते हैं। अत: कथन 3 सही है।

43.

उत्तर: C

व्याख्या:

- तमिलनाडु के थूथुकुडी ज़िले के शिवकलाई में पुरातात्त्विक खुदाई से प्राप्त कार्बनिक पदार्थों पर की गई कार्बन डेटिंग से पता चला है कि थमिराबरानी सभ्यता कम-से-कम 3,200 साल पुरानी है।
- थामिराबरानी या ताम्रपर्णी या पोरुनई एक बारहमासी नदी है जो अंबासमुद्रम तालुके में पापनासम के पास पश्चिमी घाट की पोथिगई पहाड़ियों के अगस्त्यरकुडम शिखर से निकलती है। अत: कथन 1 सही है।
  - यह तिरुनेलवेली और थूथुकुडी ज़िलों से होकर बहती है और कोरकाई (तिरुनेलवेली जिले) में मन्नार की खाड़ी (बंगाल की खाड़ी) में गिरती है। अत: कथन 2 सही है।
  - थामिराबरानी नदी तमिलनाडु की सबसे छोटी नदी है।

44.

उत्तर: B

व्याख्या

- देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी को 14 सितंबर, 1949 को भारत गणराज्य की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया गया था।
  - पहला हिंदी दिवस वर्ष 1953 में मनाया गया था।
- हिंदी के अलावा अंग्रेज़ी दूसरी आधिकारिक भाषा है (संविधान का अनुच्छेद 343)। अत: कथन 1 सही है।
- हिंदी आठवीं अनुसूची की भाषा भी है।
  - संविधान की आठवीं अनुसूची में निम्नलिखित 22 भाषाएँ शामिल हैं: असमिया, बांग्ला, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, ओडिया, पंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलुगू, उर्दू, बोडो, संथाली, मैथिली और डोगरी। अत: कथन 2 सही है।
- अनुच्छेद 351 'हिंदी भाषा के विकास के लिये निर्देश' से संबंधित है।
- वर्तमान में छ: भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्रदान किया गया:
  - तमिल (2004), संस्कृत (2005), कन्नड़ (2008), तेलुगू (2008), मलयालम (2013), ओडिया (2014)
  - हिंदी शास्त्रीय भाषा नहीं है। अत: कथन 3 सही नहीं है।

45.

उत्तर: A

व्याख्या:

- शंखलिपि लिपि को"शेल-स्क्रिप्ट" भी कहा जाता है, जो उत्तर-मध्य भारत में शिलालेखों में पाई जाती है और 4वीं एवं 8वीं शताब्दी की बीच की कालावधि से संबंधित है।
  - शंखलिपि और ब्राह्मी दोनों ही शैलीबद्ध लिपियाँ हैं जिनका उपयोग मुख्य रूप से नाम तथा हस्ताक्षर के लिये किया जाता है।
  - शिलालेखों में वर्णों की एक छोटी संख्या होती है, जो यह प्रदर्शित करती है कि शैल शिलालेख नाम या शुभ प्रतीक या दोनों का संयोजन है।
- इसकी खोज वर्ष 1836 में अंग्रेजी विद्वान जेम्स प्रिंसेप ने उत्तराखंड के बाराहाट में पीतल के त्रिशूल पर की थी। अत: कथन 1 सही है।
  - शैल शिलालेखों के साथ प्रमुख स्थल: मुंडेश्वरी मंदिर (बिहार), उदयगिरि गुफाएँ (मध्य प्रदेश), मानसर (महाराष्ट्र) और गुजरात और महाराष्ट्र के कुछ गुफा स्थल।
    - इस तरह के शिलालेख इंडोनेशिया के जावा और बोर्नियो में भी पाए गए हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।

46.

उत्तर: B

व्याख्या:भगवान नटराज की मूर्ति के पहलू:

- नटराज (नृत्य के भगवान), हिंदू भगवान शिव ब्रह्मांडीय नर्तक के रूप में, विशेष तौर पर दक्षिण भारत में कई शैव मंदिरों में धातु या पत्थर की मूर्तियों के रूप में पाए जाते हैं।
  - यह चोल मूर्तिकला का एक महत्त्वपूर्ण भाग है।
- शिव के उलझे बालों/जटाओं से बहने वाली धाराएँ गंगा नदी के प्रवाह का प्रतिनिधित्व करती हैं। अत: युग्म 1 सही सुमेलित नहीं है।
- शिव की भुजा के चारों ओर एक साँप मुड़ा हुआ है। साँप कुंडलिनी शक्ति का प्रतीक है, जो मानव रीढ़ में सुप्त अवस्था में रहती है। यदि कुंडलिनी शक्ति जाग्रत हो जाए, तो व्यक्ति सच्ची चेतना प्राप्त कर सकता है। अत: युग्म 2 सही सुमेलित है।

- नटराज जगमगाती रोशनी के एक बादल/निंबस से घिरा हुआ है जो समय के विशाल अंतहीन चक्र का प्रतीक है। अत: युग्म 3 सही सुमेलित है।

47.

उत्तर: D

व्याख्या:

- कुतुब मीनार एक पाँच मंजिला लाल बलुआ पत्थरों की मीनार (72.5 मीटर ऊँची) है जिसका निर्माण 13वीं शताब्दी में मुस्लिम विजेताओं ने दिल्ली के राजपूत शासकों (कुतुब का अर्थ है जीत) पर अपनी अंतिम जीत के उपलक्ष्य में किया था। अत: कथन 2 सही है।
  - यह एक टॉवर के रूप में भी कार्य करता है जहाँ से मुअज्जिन नमाज़ियों को अज़ान देकर पास के कुव्वतुल-इस्लाम मस्जिद में नमाज़ के लिये बुलाता है।
  - मस्जिद के प्रांगण में एक 7 मीटर ऊँचा लोहे का खंभा है।
- इसके आस-पास अलाई-दरवाज़ा गेट (Alai-Darwaza Gate) है, जो इंडो-मुस्लिम कला की उत्कृष्ट कृति (1311 में निर्मित) है।
- कुतुब मीनार के निर्माण की प्रक्रिया में लगभग 75 वर्ष लगे। इसका निर्माण कुतुब-उद-दीन ऐबक (1206-1210) द्वारा 1193 में शुरू किया गया था और इसे इल्तुतमिश (1211-1236) द्वारा पूरा किया गया था। अत: कथन 3 सही है।
  - वर्ष 1368 में उस समय के शासकों मुहम्मद-बिन-तुगलक (1325-51) और फिरोज शाह तुगलक (1351-88) द्वारा इसकी मरम्मत की गई थी।
- मीनार (टॉवर) की सतह पर मुख्य रूप से कुरान के छंदों से महीन अरबी सजावट की गई है।
- कुतुब मीनार और उसके स्मारकों को वर्ष 1993 में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था। अत: कथन 1 सही है।

48.

उत्तर: C

व्याख्या:

- इतिहासकारों के अनुसार, यह मंदिर 8वीं शताब्दी का है लेकिन वर्तमान संरचना का निर्माण 18वीं शताब्दी में तत्कालीन त्रावणकोर के महाराजा मार्तंड वर्मा (Marthanda Varma) द्वारा किया गया था।
- यह मंदिर वास्तुकला की अनूठी चेरा शैली में निर्मित है तथा यहाँ के मुख्य देवता भगवान विष्णु हैं जो आदिश या सभी नागों के राजा अनंत शयन मुद्रा (शाश्वत योग की झुकी हुई मुद्रा) में विराजमान हैं। अत: कथन 1 और 2 सही हैं।
- इसे भारत में वैष्णववाद से जुड़े 108 पवित्र मंदिरों में से एक माना जाता है।

49.

उत्तर: C

व्याख्या:

- टुंड्रा जलवायु क्षेत्र 60° और 75° अक्षांश के मध्य का क्षेत्र होता है, इसमें ज़्यादातर उत्तरी अमेरिका और यूरेशिया के आर्कटिक तट के साथ ग्रीनलैंड के तटीय किनारे का क्षेत्र शामिल है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- टुंड्रा क्षेत्र में सर्दियों का मौसम लंबा और ठंडी रातें होती हैं, जहाँ साल के 6 से 10 महीनों के दौरान औसत तापमान 0 डिग्री सेल्सियस से नीचे होता है। सतह के नीचे स्थायी रूप से जमी हुई ज़मीन की एक परत होती है, जिसे पर्माफ्रॉस्ट कहा जाता है। अत: कथन 3 सही नहीं है।
- संरचनात्मक रूप से टुंड्रा एक वृक्ष रहित (Treeless) विस्तृत क्षेत्र है जिसमें सेज (एक प्रकार का पक्षी) और हीथ (छोटी झाड़ियों का स्थान/आवास) के समुदायों के साथ-साथ छोटी झाड़ियाँ पाई जाती हैं।
- लगभग सभी टुंड्रा क्षेत्र उत्तरी गोलार्द्ध (भूमध्य रेखा के ऊपर पृथ्वी का आधा) में स्थित हैं, दक्षिणी गोलार्द्ध में अंटार्कटिका में छोटे क्षेत्र मौजूद हैं।
  - अंटार्कटिका, आर्कटिक की तुलना में अधिक ठंडा है और जमीन आमतौर पर बर्फ से ढकी रहती है। टुंड्रा के वहां बनने के लिये स्थितियाँ शायद ही कभी अनुकूल होती होती हैं। अत: कथन 2 सही है।

50.

उत्तर: B

व्याख्या:

- हाल ही में प्रधानमंत्री ने 'इस्कॉन' (इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस) के संस्थापक 'श्रील भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद' की 125वीं जयंती को चिह्नित करने के लिये 125 रुपए का एक विशेष स्मारक सिक्का जारी किया है।
- 'अभय चरण डे' के रूप में जन्मे (01 सितंबर, 1896 को कलकत्ता में) भक्तिवेदांत स्वामी एक भारतीय आध्यात्मिक गुरु और इस्कॉन के संस्थापक थे।
  - उन्हें भक्ति-योग के विषय में दुनिया के सबसे प्रमुख व्यक्तियों में से एक के रूप में सम्मान प्राप्त है, जिन्होंने भारत के प्राचीन वैदिक लेखन में उल्लिखित कृष्ण भक्ति के मार्ग को अपनाया।
    - स्वामी जी ने सौ से अधिक मंदिरों की भी स्थापना की और कई पुस्तकें लिखीं, जो दुनिया को भक्ति योग के मार्ग का अनुसरण करना सिखाती हैं।

- आगे के वर्षों में उन्होंने एक वैष्णव भिक्षु के रूप में यात्राएँ कीं, वह इस्कॉन में स्वयं के नेतृत्व के माध्यम से भारत तथा विशेष रूप से पश्चिम में गौड़ीय वैष्णव संप्रदाय के धर्मशास्त्र के एक प्रभावशाली संचारक बन गए। अत: विकल्प (B) सही है।

51.

उत्तर: B

व्याख्या:

- भील छत्तीसगढ़, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और राजस्थान में रहने वाले सबसे बड़े आदिवासी समूहों में से एक हैं। अत: कथन 1 सही है।
  - यह राजस्थान की सबसे बड़ी जनजाति है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - इन्हें राजस्थान में अनुसूचित जनजाति के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अत: कथन 3 सही है।
- भील महिलाएँ पारंपरिक साड़ी पहनती हैं, जबकि पुरुष लंबी फ्रॉक और पजामा पहनते हैं। औरतें चाँदी, पीतल के भारी-भरकम गहने, मोतियों की माला, चाँदी के सिक्के और बालियाँ पहनती हैं।

राजस्थान में अन्य जनजातियाँ

- सहरिया:
  - सहरिया सबसे पिछड़े राजस्थानी जनजातियों में से एक है।
- मीणा:
  - मीणा राजस्थान की दूसरी सबसे बड़ी जनजाति है।
  - ये सिंधु घाटी सभ्यता के निवासी माने जाते हैं।
- गड़िया लोहार:
  - गड़िया लोहार को राजस्थान की एक छोटी राजपूत जनजाति के रूप में जाना जाता है।
- गरासिया:
  - गरासिया राजस्थान की एक और छोटी राजपूत जनजाति है।
- अन्य:
  - राजस्थान की अन्य जनजातियाँ भी हैं, जिनमें काठोडी (मेवाड़ क्षेत्र में पाई जाने वाली), सांसी और कंजर शामिल हैं।

52.

उत्तर: D

व्याख्या

- महाराजा रणजीत सिंह ने 'मिस्लों' को समाप्त कर सिख साम्राज्य की स्थापना की थी।
  - उस समय पंजाब पर शक्तिशाली सरदारों का शासन था, जिन्होंने इस क्षेत्र को 'मिस्लों' में विभाजित किया था।
  - मिस्ल, सिख संघ के संप्रभु राज्यों को संदर्भित करता है जो 18वीं शताब्दी के दौरान भारतीय उपमहाद्वीप के उत्तरी भाग में पंजाब क्षेत्र में मुगल साम्राज्य के पतन के बाद उभरे थे।
  - उन्होंने 19वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में उत्तर-पश्चिमी भारतीय उपमहाद्वीप पर शासन किया।
- उन्होंने उस समय की एशिया की सबसे शक्तिशाली स्वदेशी सेना को और मज़बूत करने के लिये युद्ध में 'पश्चिमी आधुनिक हथियारों' के साथ पारंपरिक खालसा सेना को एकीकृत किया।
  - उन्होंने अपने सैनिकों को प्रशिक्षित करने के लिये बड़ी संख्या में यूरोपीय अधिकारियों, विशेष रूप से फ्राँसीसी अधिकारियों को भी नियुक्त किया।
  - उन्होंने अपनी सेना के आधुनिकीकरण के लिये एक फ्राँसीसी जनरल को नियुक्त किया था। अत: विकल्प D सही है।

53.

उत्तर: D

व्याख्या:

- शंकराचार्य को आदि शंकर के नाम से भी जाना जाता था। उनका जन्म केरल के कलादी में 788 ई. में में हुआ था।
  - उन्होंने अद्वैतवाद (Monism) के सिद्धांत को प्रतिपादित किया और संस्कृत में वैदिक सिद्धांत (उपनिषद, ब्रह्म सूत्र और भगवद गीता) पर कई टिप्पणियाँ लिखीं। अत: कथन 1 सही है।
- प्रमुख कृतियाँ/रचनाएँ:
  - ब्रह्मसूत्रभाष्य (ब्रह्म सूत्र पर भाष्य या भाष्य)।
  - भजगोविंदम स्तोत्र। अत: कथन 2 सही है।
  - निर्वाण षट्कम।
- इन्होने भारत में उस समय हिंदू धर्म को पुनर्जीवित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई जब बौद्ध धर्म लोकप्रियता प्राप्त कर रहा था। अत: कथन 3 सही है।
  - इन्होंने भारत के चारों कोनों में चार मठों की स्थापना की और यह परंपरा आज भी जारी है।

54.

उत्तर: D

व्याख्या:

- द्रविड़ भाषाएँ लगभग 70 भाषाओं का एक परिवार है जो मुख्य रूप से दक्षिण एशिया में बोली जाती हैं। ये भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका में 215 मिलियन से अधिक लोगों द्वारा बोली जाती हैं। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- सबसे अधिक बोली जाने वाली द्रविड़ भाषाएँ (बोलने वालों की संख्या के अवरोही क्रम में) तेलुगू, तमिल, कन्नड़ और मलयालम हैं, जिनमें से सभी की लंबी साहित्यिक परंपराएँ हैं।

- छोटी साहित्यिक भाषाएँ तुलु और कोडवा हैं।
- कई द्रविड़-भाषी अनुसूचित जनजातियाँ भी हैं जैसे-पूर्वी भारत में कुरुख और मध्य भारत में गोंडी। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - कुरुख, जिसे उरांव भी कहा जाता है, एक द्रविड़ जातीय समूह है जो भारतीय राज्यों झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में निवास करता है।
- अरब सागर के तटों के साथ द्रविड़ में स्थानों के नाम और द्रविड़ व्याकरणिक प्रभाव जैसे कि इंडो-आर्यन भाषाओं की विशिष्टता, अर्थात् मराठी, गुजराती, मारवाड़ी और सिंधी से पता चलता है कि द्रविड़ भाषाएँ भारतीय उपमहाद्वीप में अधिक व्यापक रूप से बोली जाती थीं।

55.

उत्तर: C

व्याख्या:

- संस्कृत को इसे विश्व की सबसे पुरानी भाषाओं में से एक माना जाता है।
  - यह एक प्राचीन इंडो-आर्यन भाषा है जिसमें सबसे प्राचीन दस्तावेज़, वेद, वैदिक संस्कृत में हैं।
- शास्त्रीय संस्कृत, उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिम में इस्तेमाल होने वाली वैदिक के करीब की भाषा ग्रंथ पाणिनी (6वीं-5वीं शताब्दी ईसा पूर्व) द्वारा रचित अष्टाध्यायी (आठ अध्याय), अब तक के सबसे बेहतरीन व्याकरण ग्रंथों में से एक है। अत: युग्म 1 सही सुमेलित है।
- संस्कृत में महत्त्वपूर्ण लेखक और कार्य:
  - भास (उदाहरण के लिये उनके स्वप्नवासवदत्त - वासवदत्त इन ए ड्रीम), जिनके लिये व्यापक रूप से अलग-अलग तिथियाँ निर्धारित की गई हैं, लेकिन उन्होंने निश्चित रूप से कालिदास से पहले कार्य किया है, इनमें उनका उल्लेख मिलता है।
  - कालिदास (पहली शताब्दी ईसा पूर्व से चौथी शताब्दी तक) के कार्यों में शकुंतला, विक्रमोर्वण्य, कुमारसंभव और रघुवंश शामिल हैं।
  - सूद्रका (Śūdraka) और मृच्छकटिकम् ("लिटिल क्ले कार्ट") संभवत: तीसरी शताब्दी के काल की हैं। अत: युग्म 2 सही सुमेलित नहीं है।
  - अश्वघोष की बुद्धचरित (Ashvaghosha's Buddhacarita) बौद्ध साहित्य के बेहतरीन उदाहरणों में से एक है। अत: युग्म 3 सही सुमेलित है।
  - भारवी और किरातार्जुन्य (अर्जुन और किरात) लगभग 7वीं शताब्दी के हैं।

56.

उत्तर: D

व्याख्या

- कर्नाटक के विजयनगर ज़िले में स्थित 'हम्पी' में मुख्य रूप से प्रसिद्ध हिंदू साम्राज्य- विजयनगर साम्राज्य (14वीं-16वीं शताब्दी) की राजधानी के अवशेष मौजूद हैं।
- यह मध्य कर्नाटक के बेल्लारी ज़िले में तुंगभद्रा बेसिन में लगभग 4187.24 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है।
  - 'हम्पी' के विशिष्ट व मनमोहक परिदृश्य में मुख्य तौर पर तुंगभद्रा नदी, पहाड़ी श्रृंखलाएँ और व्यापक भौतिक अवशेषों के साथ खुले मैदान शामिल हैं।
- हम्पी में मंदिरों की एक अनूठी विशेषता स्तंभों वाले मंडपों की कतार से घिरी चौड़ी सड़कें हैं।
  - यहाँ के प्रसिद्ध स्थानों में कृष्ण मंदिर परिसर, नरसिंह, गणेश, हेमकुटा मंदिर समूह, अच्युतराय मंदिर परिसर, विट्ठल मंदिर परिसर, पट्टाभिराम मंदिर परिसर, कमल महल परिसर आदि शामिल हैं।
- 'हम्पी' शहर तुंगभद्रा नदी के पास एक समृद्ध और भव्य शहर था।
  - मध्यकाल में 'हम्पी'-विजयनगर, बीजिंग के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मध्ययुगीन शहर था और शायद उस समय भारत का सबसे अमीर शहर था, यही कारण है कि फारस व पुर्तगाल के व्यापारी इससे काफी आकर्षित थे।
- विजयनगर साम्राज्य सल्तनत के गठबंधन से हार गया; इसकी राजधानी पर 1565 (तालिकोटा की लड़ाई) में सल्तनत सेनाओं ने विजय प्राप्त कर ली और इसे लूट लिया गया तथा नष्ट कर दिया गया, जिसके बाद 'हम्पी' खंडहर बन गया। अत: विकल्प D सही है।

57.

उत्तर: C

व्याख्या:

- श्री नारायण गुरु अद्वैत वेदांत के सबसे बड़े समर्थकों और पुनर्मूल्यांकनकर्ताओं में से एक बन गए, जो आदि शंकराचार्य द्वारा सामने रखे गए अद्वैत के सिद्धांत थे। अत: कथन 1 सही है।
- उन्होंने विभिन्न भाषाओं में अनेक पुस्तकें लिखीं। उनमें से कुछ प्रमुख हैं: अद्वैत दीपिका, असरमा, थिरुकुरल, थेवरप्पाथिंकंगल आदि।
- राष्ट्रीय आंदोलन में योगदान:
  - सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ:
    - श्री नारायण गुरु मंदिर प्रवेश आंदोलन में सबसे अग्रणी थे और अछूतों के प्रति सामाजिक भेदभाव के खिलाफ थे।

- वैकोम आंदोलन के लिये प्रोत्साहन:
  - श्री नारायण गुरु ने वायकोम सत्याग्रह (त्रावणकोर) को गति प्रदान की। इस आंदोलन का उद्देश्य निम्न जातियों को मंदिरों में प्रवेश दिलाना था। इस आंदोलन की वजह से महात्मा गांधी सहित सभी लोगों का ध्यान उनकी तरफ गया। अत: कथन 2 सही है।
- उनकी कविताओं के माध्यम से एकता:
  - उन्होंने अपनी कविताओं में भारतीयता के सार को समाहित किया और दुनिया की विविधता के बीच मौजूद एकता को रेखांकित किया।

- विज्ञान में योगदान:
  - श्री नारायण गुरु ने स्वच्छता, शिक्षा, कृषि, व्यापार, हस्तशिल्प और तकनीकी प्रशिक्षण पर ज़ोर दिया।
  - श्री नारायण गुरु का अध्यारोप (Adyaropa) दर्शनम् (दर्शनमला) ब्रह्मांड के निर्माण की व्याख्या करता है।
  - इनके दर्शन में दैवदशकम् (Daivadasakam) और आत्मोपदेश शतकम् (Atmopadesa Satakam) जैसे कुछ उदाहरण हैं जो यह बताते हैं कि कैसे रहस्यवादी विचार तथा अंतर्दृष्टि वर्तमान की उन्नत भौतिकी से मिलते-जुलते हैं।

58.

उत्तर: A

व्याख्या:

- हरि सिंह नलवा एक महान सिख सेनापति थे, जिन्होंने अफगानिस्तान की उपद्रवी शक्तियों को नियंत्रित किया और वहाँ के सबसे शक्तिशाली सिख योद्धा की प्रतिष्ठा अर्जित की।
- वह महाराजा रणजीत सिंह की सेना में सेनापति थे।
  - वह कश्मीर, हज़ारा और पेशावर के प्रशासक भी रहे।
  - उन्होंने पहली बार अफगानिस्तान सीमा और खैबर दर्रे के साथ कई क्षेत्रों पर नियंत्रण करके अफगानों को उत्तर-पश्चिम सीमांत को नुकसान पहुँचाने से रोका।
    - इस प्रकार उन्होंने अफगानों को खैबर दर्रे से होकर पंजाब में प्रवेश करने से रोक दिया, जो कि 1000 ईस्वी से 19वीं शताब्दी की शुरुआत तक विदेशी आक्रमणकारियों के लिये भारत में प्रवेश करने का एक मुख्य प्रवेश मार्ग के रूप में कार्य करता था।
- वर्ष 1807 में हुए कसूर (अब पाकिस्तान में) के युद्ध में उन्होंने अफगानी शासक कुतब-उद-दीन खान को पराजित किया।
- वर्ष 1818 में, नलवा के नेतृत्त्व में सिख सेना ने पेशावर की लड़ाई जीती और नलवा को वहाँ तैनात किया गया। वर्ष 1837 में नलवा ने ज़मरूद पर अधिकार कर लिया, जो खैबर दर्रे के माध्यम से अफगानिस्तान के प्रवेश द्वार पर स्थित एक किला था।
  - इतिहासकारों का मानना है कि यदि महाराजा रणजीत सिंह और उनके सेनापति हरि सिंह नलवा ने पेशावर तथा उत्तर पश्चिम सीमांत, जो कि अब वर्तमान पाकिस्तान का हिस्सा है, पर विजय प्राप्त नहीं की होती तो यह क्षेत्र अफगानिस्तान का हिस्सा हो सकता था और पंजाब एवं दिल्ली पर अफगानों का आक्रमण कभी नहीं रुकता। अत: विकल्प A सही है।

59.

उत्तर: A

व्याख्या:

- चकमा और हाजोंग जातीय समुदाय हैं जो चटगाँव पहाड़ी क्षेत्रों में रहते थे, इनमें से अधिकांश क्षेत्र बांग्लादेश में स्थित हैं।
  - दरअसल चकमा बौद्ध हैं, जबकि हाजोंग हिन्दू हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - ये लोग पूर्वोत्तर भारत, पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश और म्याँमार में निवास करते हैं।
- ये 1964-65 में पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से भारत आ गए तथा अरुणाचल प्रदेश में बस गए। अत: कथन 1 सही है।
  - कारण:
    - चकमास ने बांग्लादेश के कर्नाफुली (Karnaphuli) नदी पर बनाए गए कैपटाई बाँध (Kaptai dam) के कारण अपनी भूमि खो दी।
    - हाजोंग लोगों को धार्मिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा क्योंकि वे गैर-मुस्लिम थे और बांग्ला भाषा नहीं बोलते थे।
- बहुत लंबे समय से स्थानीय लोग चकमा और हाजोंगों की अलग-अलग जातीयता के कारण विरोध कर रहे हैं।
  - 2015 में सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को उन चकमा और हाजोंग्स को नागरिकता देने का निर्देश दिया, जो 1964-69 के बीच बांग्लादेश से भारत आए थे।
- हालाँकि ये प्रत्यक्ष रूप से नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 (CAA) के दायरे में नहीं आते हैं क्योंकि अरुणाचल प्रदेश CAA से छूट प्राप्त राज्यों में से एक है और इसमें बाहरी लोगों के प्रवेश को नियंत्रित करने के लिये इनर लाइन परमिट की व्यवस्था है। अत: कथन 3 सही नहीं है।

60.

उत्तर: D

व्याख्या

- वह (1615-59) शाहजहाँ के सबसे बड़े पुत्र थे। उन्हें इतिहासकारों द्वारा एक 'उदार मुस्लिम' के रूप में वर्णित किया जाता है, जिन्होंने हिंदू और इस्लामी परंपराओं के बीच समानताएँ खोजने की कोशिश की।

- उन्हें भारत में अंतर-धार्मिक समझ के लिये अकादमिक आंदोलन के अग्रणी के रूप में जाना जाता है। उन्हें प्रमुख धर्मों, विशेष रूप से इस्लाम और हिंदू धर्म की गहरी समझ व ज्ञान था।
- उनकी सबसे महत्त्वपूर्ण रचनाएँ- 'मजमा-उल-बहरीन' (दो महासागरों का मिलन) और 'सिर-ए-अकबर' (महान रहस्य), हिंदू धर्म तथा इस्लाम के बीच संबंध स्थापित करने के लिये समर्पित हैं।
- उन्होंने संस्कृत और फारसी में दक्षता हासिल की तथा भारतीय संस्कृति एवं हिंदू धार्मिक विचारों को लोकप्रिय बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।
- उन्होंने उपनिषदों और हिंदू धर्म तथा आध्यात्मिकता के अन्य महत्त्वपूर्ण स्रोतों का संस्कृत से फारसी में अनुवाद किया। इन अनुवादों के माध्यम से उन्होंने हिंदू संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं को यूरोप एवं पश्चिमी देशों तक पहुँचाया। अत: विकल्प D सही है।

61.

उत्तर: A

व्याख्या:

- सिंधु घाटी सभ्यता भारतीय उपमहाद्वीप की सबसे पुरानी ज्ञात शहरी संस्कृति है।
  - इसे हड़प्पा सभ्यता भी कहा जाता है।
  - भौगोलिक रूप से यह सभ्यता पंजाब, सिंध, बलूचिस्तान, राजस्थान, गुजरात और पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक फैली थी।
- IVC की भाषा की जड़ें प्रोटो-द्रविड़ियन (Proto-Dravidian) में हैं, जो सभी आधुनिक द्रविड़ भाषाओं की पैतृक भाषा है।
- IVC की एक विशेष आबादी की बुनियादी शब्दावली प्रोटो-द्रविड़ियन रही होगी या सिंधु घाटी क्षेत्र में पैतृक द्रविड़ भाषाएँ बोली जाती रही होंगी।
- कृषि:
  - कपास की खेती करने वाली पहली सभ्यता।
  - पशुपालन के तहत भेड़, बकरी और सूअर को भी पाला जाता था।
  - फसलें गेहूँ, जौ, कपास, रागी, खजूर और मटर थीं।
  - सुमेरियों (मेसोपोटामिया) के साथ व्यापार किया जाता था।
- धातु उत्पाद:
  - जिनका उत्पादन किया जाता था उनमें तांबा, कांस्य, टिन और सीसा शामिल थे। सोना-चाँदी भी ज्ञात थे।
  - लोहे का ज्ञान उन्हें नहीं था।
- धार्मिक विश्वास:
  - मंदिर या महल जैसी कोई संरचना नहीं मिली है।
  - लोग नर और मादा देवताओं की पूजा करते थे।
  - खुदाई में एक ऐसी मुहर प्राप्त हुई जिसे 'पशुपति सील (Pashupati Seal) नाम दिया गया था और यह तीन आँखों वाली आकृति की छवि जैसी दिखती है। अत: विकल्प A सही उत्तर है।

62.

उत्तर: A

व्याख्या:

- संस्कृत को विश्व की सबसे पुरानी भाषाओं में से एक माना जाता है। यह एक प्राचीन इंडो-आर्यन भाषा है जिसमें सबसे प्राचीन दस्तावेज़, वेद, वैदिक संस्कृत में हैं। अत: कथन 1 सही है।
- शास्त्रीय संस्कृत, उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिम में इस्तेमाल होने वाली वैदिक के करीब की भाषा ग्रंथ पाणिनी (6वीं-5वीं शताब्दी ईसा पूर्व) द्वारा रचित अष्टाध्यायी (आठ अध्याय), अब तक के सबसे बेहतरीन व्याकरण ग्रंथों में से एक है।
  - विश्व का एकमात्र संस्कृत समाचार पत्र 'सुधर्म' है। यह समाचार पत्र 1970 से कर्नाटक के मैसूर से प्रकाशित हो रहा है और ऑनलाइन भी उपलब्ध है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

63.

उत्तर: B

व्याख्या:

- विजयनगर या "विजय का शहर" एक शहर और एक साम्राज्य दोनों का नाम था।
- साम्राज्य की स्थापना चौदहवीं शताब्दी (1336 ईस्वी) में संगम वंश के हरिहर और बुक्का ने की थी। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - 'हम्पी' को इसकी राजधानी बनाया गया। अत: कथन 2 सही है।
- यह उत्तर में कृष्णा नदी से लेकर प्रायद्वीप के सुदूर दक्षिण तक फैला हुआ है। अत: कथन 3 सही नहीं है।
- विजयनगर साम्राज्य पर चार महत्त्वपूर्ण राजवंशों का शासन था जो इस प्रकार हैं:
  - संगम
  - सुलुव
  - तुलुव
  - अराविदु
- तुलुव वंश के कृष्णदेवराय (शासनकाल 1509-29) विजयनगर के सबसे प्रसिद्ध शासक थे।
- उन्हें कुछ बेहतरीन मंदिरों के निर्माण और कई महत्त्वपूर्ण दक्षिण भारतीय मंदिरों में प्रभावशाली गोपुरम जोड़ने का श्रेय दिया जाता है।

- उन्होंने तेलुगू में 'अमुक्तमलयद' (Amuktamalyada) नामक शासन कला के ग्रंथ की रचना की।

64.

उत्तर: D

व्याख्या:

- गारो, जो खुद को आचिक (A•chiks) कहते हैं, मेघालय की दूसरी सबसे बड़ी जनजाति है।
- गारो की एक मज़बूत परंपरा है क्योंकि वे तिब्बत से आए हैं।
  - उनकी कई बोलियाँ और सांस्कृतिक समूह हैं।
  - उनमें से प्रत्येक मूल रूप से गारो हिल्स के एक विशेष क्षेत्र और बाहरी मैदानी भूमि पर बस गए।
- हालाँकि आधुनिक गारो समुदाय की संस्कृति ईसाई धर्म से काफी प्रभावित रही है। इसमें सभी बच्चों को माता-पिता द्वारा समान देखभाल, अधिकार और महत्व दिया जाता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- गारो विवाह दो महत्त्वपूर्ण कानूनों द्वारा नियंत्रित होता है जैसे- बहिर्विवाह और आकिम (A•Kim) एक ही कबीले से संबंधित हैं, एक ही कबीले के बीच विवाह की अनुमति नहीं है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

65.

उत्तर: D

व्याख्या:

- माना जाता है कि अरुणाचल प्रदेश की आदि जनजाति 16वीं शताब्दी में दक्षिणी चीन से आई थी।
  - यह तिब्बती-बर्मन भाषा बोलने वाली आबादी हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- ये अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी सियांग और निचली दिबांग घाटी ज़िलों के सुदूर उत्तर में निवास करते हैं।
  - आदि जनजाति बेंत और बाँस के सामान बनाने में कुशल है।
- सोलुंग (फसल काटने का त्योहार जहाँ जानवरों की बलि और अनुष्ठान किये जाते हैं) और अरन (एक शिकार उत्सव जहाँ परिवार के सभी पुरुष सदस्य शिकार के लिये जाते हैं) आदि जनजातियों के दो प्रमुख त्योहार हैं।
- यह अरुणाचल प्रदेश में एक अनुसूचित जनजाति है। अत: कथन 1 सही नहीं है।

66.

उत्तर: B

व्याख्या:

भील जनजाति:

- भील छत्तीसगढ़, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और राजस्थान में रहने वाले सबसे बड़े आदिवासी समूहों में से एक हैं।
- यह राजस्थान की सबसे बड़ी जनजाति है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- इन्हें राजस्थान में अनुसूचित जनजाति के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- भील अपने स्थानीय भूगोल के बारे में गहन ज्ञान के साथ उत्कृष्ट धनुर्धारियों/तीरंदाजों के रूप में जाने जाते हैं।
  - इन्हें परंपरागत रूप से गुरिल्ला युद्ध के विशेषज्ञ के तौर पर जाना जाता है, इनमें से अधिकांश आज किसान और खेतिहर मजदूर हैं। ये कुशल मूर्तिकार भी हैं। अत: कथन 2 सही है।
- मेवाड़ क्षेत्र में इनका महत्त्वपूर्ण प्रभाव है, यही कारण है कि अतीत में इस क्षेत्र के राजपूत शासकों ने आदिवासी समूह के साथ गठबंधन किया।

67.

उत्तर: C

व्याख्या:

- ब्रू या रियांग पूर्वोत्तर भारत का एक स्वदेशी समुदाय है, जो अधिकतर त्रिपुरा, मिज़ोरम और असम में रहते हैं। अत: कथन 1 सही है।
  - त्रिपुरा में उन्हें विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह के रूप में मान्यता प्राप्त है। अत: कथन 2 सही है।
- मिज़ोरम में उन्हें उन समूहों द्वारा निशाना बनाया गया है जो उन्हें राज्य के लिये स्वदेशी नहीं मानते हैं।
  - 1997 में जातीय संघर्षों के बाद लगभग 37,000 ब्रू मिज़ोरम के ममित, कोलासिब और लुंगलेई ज़िलों से भाग गए तथा उन्हें त्रिपुरा में राहत शिविरों में ठहराया गया।
- जून 2018 में, ब्रू शिविरों के सामुदायिक नेताओं ने मिज़ोरम में प्रत्यावर्तन के लिये केंद्र और दो राज्य सरकारों के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये लेकिन शिविर में रहने वाले अधिकांश लोगों ने समझौते की शर्तों को खारिज कर दिया।
- जनवरी 2020 में केंद्र, मिज़ोरम और त्रिपुरा की सरकारों तथा ब्रू संगठनों के नेताओं ने एक चतुर्पक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किये।
  - समझौते के तहत गृह मंत्रालय ने त्रिपुरा में इनके बंदोबस्त का पूरा खर्च वहन करने की प्रतिबद्धता जताई है।

68.

उत्तर: D

व्याख्या:

- कालबेलिया नृत्य कालबेलिया समुदाय के पारंपरिक जीवनशैली की एक अभिव्यक्ति है।
  - यह इसी नाम की एक राजस्थानी जनजाति से संबंधित है। अत: कथन 1 सही है।
- इसे वर्ष 2010 में संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठनों (UNESCO) की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (ICH) की सूची में शामिल किया गया था। अत: कथन 2 सही है।
- इस नृत्य रूप में घूमना और रमणीय संचरण शामिल है जो इस नृत्य को देखने लायक बनाता है।
  - कालबेलिया से जुड़े मूवमेंट भी इसे भारत में लोक नृत्य के सबसे भावमय रूपों में से एक बनाते हैं।
- यह प्राय: किसी भी खुशी के उत्सव पर किया जाता है और इसे कालबेलिया संस्कृति का एक अभिन्न अंग माना जाता है।
  - कालबेलिया नृत्य का एक और अनूठा पहलू यह है कि इसे केवल महिलाओं द्वारा प्रस्तुत किया जाता है, जबकि पुरुष वाद्य यंत्र बजाते हैं और संगीत प्रदान करते हैं। अत: कथन 3 सही है।

69.

उत्तर.: A

व्याख्या.:

- सिलंबम एक प्राचीन हथियार आधारित मार्शल आर्ट (Weapon-Based Martial Art) है जिसकी उत्पत्ति तमिलकम में हुई जो वर्तमान में भारत का तमिलनाडु क्षेत्र है। यह विश्व के सबसे पुराने मार्शल आर्ट में से एक है। अत: युग्म 1 सही सुमेलित नहीं है।
- यह केरल के मार्शल आर्ट कलारीपयट्टू (kalaripayattu) से निकटता रखता है। अत: युग्म 2 सही सुमेलित है।
- मर्दानी खेल महाराष्ट्र का एक मार्शल आर्ट रूप है। अत: युग्म 3 सही सुमेलित नहीं है।
- थांग ता मणिपुर राज्य का एक मार्शल आर्ट रूप है। अत: युग्म 4 सही सुमेलित नहीं है।

भारत के अन्य मार्शल आर्ट्स

- गतका- पंजाब
- पाइका- ओडिशा
- छोलिया- उत्तराखंड
- पांग ल्हबसोल- सिक्किम
- मुष्टियुद्ध- उत्तर प्रदेश
- परी खंडा- बिहार

70.

उत्तर: C

व्याख्या:

- ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी में पूर्वी गंग राजवंश (Eastern Ganga Dynasty) के राजा अनंतवर्मन चोडगंग देव द्वारा किया गया था। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- जगन्नाथ पुरी मंदिर को 'यमनिका तीर्थ' भी कहा जाता है, जहाँ हिंदू मान्यताओं के अनुसार, पुरी में भगवान जगन्नाथ की उपस्थिति के कारण मृत्यु के देवता 'यम' की शक्ति समाप्त हो गई है। अत: कथन 2 सही है।
- इस मंदिर को "श्वेत पैगोडा" कहा जाता था और यह चारधाम तीर्थयात्रा (बद्रीनाथ, द्वारका, पुरी, रामेश्वरम) का एक हिस्सा है। अत: कथन 3 सही है।

71.

उत्तर: D

व्याख्या:

- नवंबर 1750 में जन्मे टीपू सुल्तान हैदर अली के पुत्र और एक महान योद्धा थे, जिन्हें 'मैसूर के बाघ' के रूप में भी जाना जाता है।
- हैदर अली (शासनकाल- 1761 से 1782 तक) और उनके पुत्र टीपू सुल्तान (शासनकाल- 1782 से 1799 तक) जैसे शक्तिशाली शासकों के नेतृत्व में मैसूर की शक्ति में काफी बढ़ोतरी हुई।
- टीपू सुल्तान ने अपने शासनकाल के दौरान कई प्रशासनिक नवाचारों की शुरुआत की, जिसमें उनके द्वारा शुरू किये गए सिक्के, एक नया मौलूदी चंद्र-सौर कैलेंडर और एक नई भूमि राजस्व प्रणाली शामिल थी, जिसने मैसूर रेशम उद्योग के विकास की शुरुआत की। अत: कथन 1 सही है।
- पारंपरिक भारतीय हथियारों के साथ-साथ उन्होंने तोपखाने और रॉकेट जैसे पश्चिमी सैन्य तरीकों को अपनाया ताकि उनकी सेनाएँ प्रतिद्वंद्वियों को मात दे सकें और उनके विरुद्ध भेजी गई ब्रिटिश सेनाओं का मुकाबला कर सकें।
- टीपू सुल्तान ने अपनी सेना को यूरोपीय मॉडल के आधार पर संगठित किया।
  - यद्यपि उन्होंने अपने सैनिकों को प्रशिक्षित करने के लिये फ्राँसीसी अधिकारियों की मदद ली, किंतु उन्होंने फ्राँसीसी अधिकारियों को कभी भी एक दबाव समूह के रूप में विकसित होने की अनुमति नहीं दी।
  - वह नौसैनिक बल के महत्त्व से अच्छी तरह वाकिफ थे।
    - वर्ष 1796 में उन्होंने 'नौवाहन विभाग बोर्ड' की स्थापना की और 22 युद्धपोतों तथा 20 फ्रिगेट के बेड़े के निर्माण की योजना बनाई।

- उन्होंने मैंगलोर, वाजेदाबाद और मोलिदाबाद में तीन डॉकयार्ड स्थापित किये। हालाँकि उनकी योजनाएँ साकार नहीं हो सकीं।

- वर्ष 1767 में टीपू ने पश्चिमी भारत के कर्नाटक क्षेत्र में मराठों के खिलाफ घुड़सवार सेना की कमान संभाली और वर्ष 1775-79 के बीच कई मौकों पर मराठों के खिलाफ युद्ध किया।
- वह विज्ञान और प्रौद्योगिकी के संरक्षक भी थे तथा उन्हें भारत में 'रॉकेट प्रौद्योगिकी के अग्रणी' के रूप में श्रेय दिया जाता है।
  - उन्होंने रॉकेट के संचालन की व्याख्या करते हुए एक सैन्य मैनुअल (फतुल मुजाहिदीन) लिखा। अत: कथन 2 सही है।
  - टीपू लोकतंत्र के एक महान प्रेमी और महान राजनयिक थे जिन्होंने वर्ष 1797 में जैकोबिन क्लब की स्थापना में श्रीरंगपटनम में फ्राँसीसी सैनिकों को समर्थन दिया था।
    - टीपू स्वयं जैकोबिन क्लब के सदस्य बने और स्वयं को सिटीज़न टीपू कहलाने की अनुमति दी। अत: कथन 3 सही है।
    - उन्होंने श्रीरंगपटनम में ट्री ऑफ लिबर्टी का रोपण किया।

72.

उत्तर: B

व्याख्या:

- प्राचीन शहर धोलावीरा गुजरात राज्य के कच्छ ज़िले में एक पुरातात्त्विक स्थल है, जो ईसा पूर्व तीसरी से दूसरी सहस्राब्दी तक का है।
  - पाकिस्तान के मोहनजोदड़ो, गनेरीवाला और हड़प्पा तथा भारत के हरियाणा में राखीगढ़ी के बाद धौलावीरा सिंधु घाटी सभ्यता (IVC) का पाँचवा सबसे बड़ा महानगर है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- धौलावीरा कर्क रेखा पर स्थित है। अत: कथन 2 सही है।
- हाल ही में यूनेस्को ने गुजरात के धौलावीरा शहर को भारत के 40वें विश्व धरोहर स्थल के रूप में घोषित किया है।
  - यह प्रतिष्ठित सूची में शामिल होने वाली भारत में सिंधु घाटी सभ्यता (Indus Valley Civilisation- IVC) की पहली साइट है। अत: कथन 3 सही है।

73.

उत्तर: B

व्याख्या:

- परंपरागत रूप से कांजीवरम साड़ी को प्राय: शहतूत के रेशमी धागों से हाथ से बुना जाता है और इसमें शुद्ध सोने या चांदी की ज़री प्रयोग होती है जो इसे एक महत्त्वपूर्ण गुणवत्ता प्रदान करती है। हथकरघा निर्मित रेशम की साड़ी को भारतीय पारंपरिक कपड़ों में सबसे शानदार और उत्तम दर्जे के कपड़े के रूप में जाना जाता है।
- दक्षिण भारत विशेष रूप से कांचीपुरम के आसपास के क्षेत्रों की मंदिर वास्तुकला पारंपरिक कांजीवरम रूपांकनों के लिये डिज़ाइन प्रेरणा के रूप में काम करती है।
  - कांजीवरम साड़ी के डिज़ाइन में ऐसे कई रूपांकन खोजे जा सकते हैं, जैसे- पौराणिक पक्षी 'यली' (हाथी-शेर का संलयन) और 'गंडाबेरुंडा (दो सिर वाला राजसी पौराणिक पक्षी) आदि।
- चोल राजवंश से शुरू हुए लंबे और समृद्ध इतिहास के साथ कांचीपुरम साड़ियों को वर्तमान में भारतीय कपड़ा उद्योग की सबसे पुरानी एवं समृद्ध विरासतों में से एक माना जाता है।
- कांचीपुरम रेशम को वर्ष 2005-06 में भौगोलिक संकेत (GI टैग) भी प्राप्त हुआ है।
- अत: विकल्प B सही है।

74.

उत्तर: D

व्याख्या:

- जीआई टैग ऐसे कृषि, प्राकृतिक या एक निर्मित उत्पादों की गुणवत्ता और विशिष्टता का आश्वासन देता है, जो एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र से उत्पन्न होता है और जिसके कारण इसमें अद्वितीय विशेषताओं और गुणों का समावेश होता है। जीआई (GI) टैग प्राप्त कुछ साड़ियाँ:
  - तमिलनाडु: कंडांगी साड़ी, थिरुबुवनम सिल्क साड़ी, कोवई कोरा कॉटन साड़ी।
  - उत्तर प्रदेश: बनारस ब्रोकेड।
  - कर्नाटक: इलकल साड़ी, मोलाकलमुरु साड़ी।
  - तेलंगाना: गडवाल साड़ी, पोचमपल्ली इकत (लोगो)
  - मध्य प्रदेश: चंदेरी साड़ी, महेश्वर साड़ी।
  - ओडिशा: उड़ीसा इकत, बोमकाई साड़ी, हबसपुरी साड़ी।
  - पश्चिम बंगाल: शांतिपुर साड़ी, बलूचरी साड़ी, धनियाखली साड़ी। अत: युग्म 1 और 3 सही सुमेलित हैं।

75.

उत्तर: C

व्याख्या:

- वह एक महान योद्धा और खगोलशास्त्री थे, जो अपने पिता महाराजा बिशन सिंह की मृत्यु के पश्चात् सत्ता में आए थे।
- वह मुगलों के सामंत थे, जिन्हें औरंगज़ेब ने 'सवाई' की उपाधि प्रदान की थी, जिसका अर्थ है एक-चौथाई, यह उपाधि 'जय सिंह' के सभी वंशजों को प्राप्त थी। अत: कथन 1 सही है।

- उन्हें कला, विज्ञान, दर्शन और सैन्य मामलों में सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों एवं विद्वानों द्वारा प्रशिक्षित किया गया था।
- 'जय सिंह' मूलत: कछवाहा राजपूत वंश के थे, जो 12वीं शताब्दी में सत्ता में आए थे। अत: कथन 2 सही है।
- उन्होंने दिल्ली, जयपुर, वाराणसी, उज्जैन और मथुरा में खगोल विज्ञान वेधशालाओं का निर्माण किया जिन्हें जंतर मंतर के नाम से जाना जाता है।
  - 'जयपुर' शहर को अपना नाम उन्हीं से प्राप्त हुआ है। हाल ही में 'जयपुर' शहर को यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है।

76.

उत्तर: A

व्याख्या:

- धोलावीरा का प्राचीन शहर गुजरात राज्य के कच्छ ज़िले में एक पुरातात्त्विक स्थल है, जो ईसा पूर्व तीसरी से दूसरी सहस्राब्दी तक का है।
  - धौलावीरा कर्क रेखा पर स्थित है।
- यह कच्छ के महान रण में कच्छ रेगिस्तान वन्यजीव अभयारण्य में खादिर बेट द्वीप पर स्थित है। अत: कथन 1 सही है।
- अन्य हड़प्पा पूर्वगामी शहरों के विपरीत, जो आमतौर पर नदियों और जल के बारहमासी स्रोतों के पास स्थित हैं, धौलावीरा खादिर बेट द्वीप पर स्थित है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - यह साइट विभिन्न खनिज और कच्चे माल के स्रोतों (तांबा, खोल, एगेट-कारेलियन, स्टीटाइट, सीसा, बैंडेड चूना पत्थर तथा अन्य) के दोहन हेतु महत्त्वपूर्ण थी।
- इसने मगन (आधुनिक ओमान प्रायद्वीप) और मेसोपोटामिया क्षेत्रों में आंतरिक एवं बाहरी व्यापार को भी सुगम बनाया।
- जलवायु परिवर्तन और सरस्वती जैसी नदियों के सूखने के कारण धौलावीरा को गंभीर शुष्कता का परिणाम देखना पड़ा।
- सूखे जैसी स्थिति के कारण लोग गंगा घाटी की ओर या दक्षिण गुजरात की ओर तथा महाराष्ट्र से आगे की ओर पलायन करने लगे।
- इसके अलावा कच्छ का महान रण, जो खादिर द्वीप के चारों ओर स्थित है और जिस पर धोलावीरा स्थित है, यहाँ पहले नौगम्य हुआ करता था, लेकिन समुद्र का जल धीरे-धीरे पीछे हट गया और रण क्षेत्र एक कीचड़ क्षेत्र बन गया।

77.

उत्तर: B

व्याख्या:

- केसरिया बौद्ध स्तूप को विश्व का सबसे ऊँचा और सबसे बड़ा बौद्ध स्तूप कहा जाता है। अत: कथन 1 सही है। अत: कथन 1 सही है।
  - यह बिहार के पूर्वी चंपारण ज़िले में पटना से 110 किलोमीटर की दूरी पर केसरिया में स्थित है।
- स्तूप का प्रथम निर्माण तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व का है। मूल केसरिया स्तूप संभवत: अशोक (लगभग 250 ईसा पूर्व) के समय का है, क्योंकि यहाँ अशोक के एक स्तंभ के शीर्ष के अवशेष पाए गए थे। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - वर्तमान स्तूप 200 ईस्वी और 750 ईस्वी के बीच गुप्त राजवंश के समय का है और यह चौथी शताब्दी के शासक राजा चक्रवर्ती से संबंधित हो सकता है।
- प्राचीन काल में केसरिया, मौर्यों और लिच्छवियों के शासनाधीन था।
- दो महान विदेशी यात्रियों, फैक्सियन (फाह्यान) और ज़ुआन जांग (हुआन त्सांग/ह्वेनसांग) ने प्राचीन काल में इस स्थान का दौरा किया था तथा अपनी यात्रा के दिलचस्प तथा सूचनात्मक विवरण प्रस्तुत किये हैं।

78.

उत्तर: B

व्याख्या:

- तुलू (Tulu) एक द्रविड़ भाषा है, जिसे बोलने-समझने वाले लोग मुख्यतया कर्नाटक के दो तटीय ज़िलों और केरल के कासरागोड ज़िले में रहते हैं।
  - मुख्य रूप से कर्नाटक और केरल में तुलू भाषी लोगों ने सरकार से इसे आधिकारिक भाषा का दर्ज़ा देने और संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने का अनुरोध किया है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- संविधान की आठवीं अनुसूची: आठवीं अनुसूची से संबंधित संवैधानिक प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 344 (1) और 351 में हैं। अत: कथन 2 सही है।

79.

उत्तर: A

व्याख्या:

- यह एक इमारत शैली है जो 16वीं सदी के मध्य से 17वीं सदी के अंत तक मुगल सम्राटों के संरक्षण में उत्तरी और मध्य भारत में फली-फूली।
  - यह भारतीय, फारसी और तुर्की स्थापत्य शैली का मिश्रण था। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- विभिन्न प्रकार की इमारतें, जैसे- राजसी द्वार (प्रवेश द्वार), किले, मकबरे, महल, मस्जिद, सराय आदि इसकी विविधता थी।
- इस शैली में अधिकतर लाल बलुआ पत्थर और सफेद संगमरमर का प्रयोग किया जाता था। अत: कथन 2 सही है।

- इस शैली में विशिष्ट विशेषताएँ हैं जैसे- मकबरे की चारबाग शैली, स्पष्ट बल्बनुमा गुंबद, कोनों पर पतले बुर्ज, चौड़े प्रवेश द्वार, सुंदर सुलेख, अरबी और स्तंभों तथा दीवारों पर ज्यामितीय पैटर्न एवं स्तंभों पर समर्थित महल हॉल आदि थी। अत: कथन 3 सही है।

80.

उत्तर: B

व्याख्या:

- संस्कृति मंत्रालय (MoC) और पत्तन, पोत परिवहन ईवा जलमार्ग मंत्रालय (MoPSW) ने गुजरात के लोथल में 'राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर' (NMHC) के विकास में सहयोग हेतु एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये हैं। अत: कथन 3 सही है।
- लोथल गुजरात में स्थित प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता के सबसे दक्षिणी शहरों में से एक था।
  - इस शहर का निर्माण लगभग 2400 ईसा पूर्व में शुरू हुआ था।
  - भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) की मानें तो लोथल में दुनिया का सबसे पुराना ज्ञात डॉक था, जो लोथल शहर को सिंध के हड़प्पा शहरों और सौराष्ट्र प्रायद्वीप के बीच व्यापार मार्ग पर साबरमती नदी के एक प्राचीन मार्ग से जोड़ता था। अत: कथन 1 सही है।
  - प्राचीन काल में लोथल एक महत्त्वपूर्ण एवं संपन्न व्यापार केंद्र था, जिसके मोतियों, रत्नों और बहुमूल्य गहनों का व्यापार पश्चिम एशिया और अफ्रीका के सुदूर क्षेत्रों तक विस्तृत था।
  - लोथल स्थल को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित किया गया है और यूनेस्को की अस्थायी सूची में इसका आवेदन अभी भी लंबित है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

81.

उत्तर: C

व्याख्या:

- संत कबीर दास का जन्म उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में हुआ था। वह 15वीं शताब्दी के रहस्यवादी कवि, संत और समाज सुधारक तथा भक्ति आंदोलन के प्रस्तावक थे।
  - कबीर की विरासत अभी भी 'कबीर का पंथ' (एक धार्मिक समुदाय जो उन्हें संस्थापक मानता है) नामक पंथ के माध्यम से चल रही है।
- उनका प्रारंभिक जीवन एक मुस्लिम परिवार में बीता, परंतु वे अपने शिक्षक, हिंदू भक्ति नेता रामानंद से काफी प्रभावित थे।
- कबीर दास के लेखन का भक्ति आंदोलन पर बहुत प्रभाव पड़ा तथा इसमें कबीर ग्रंथावली, अनुराग सागर, बीजक और सखी ग्रंथ जैसे शीर्षक शामिल हैं। अत: कथन 1 सही है।
  - उनके छंद सिख धर्म के ग्रंथ गुरु ग्रंथ साहिब में पाए जाते हैं।
  - उनके प्रमुख कार्यों का संकलन पाँचवें सिख गुरु, गुरु अर्जन देव द्वारा किया गया था। अत: कथन 2 सही है।
  - उन्होंने अपने दो-पंक्ति के दोहों के लिये सबसे अधिक प्रसिद्धि प्राप्त की, जिन्हें 'कबीर के दोहे' के नाम से जाना जाता है।
- कबीर की कृतियाँ हिंदी भाषा में लिखी गईं, जिन्हें समझना आसान था। लोगों को जागरूक करने के लिये वहअपने लेख दोहों के रूप में लिखते थे।

82.

उत्तर: C

व्याख्या:

- कालबेलिया जनजाति के लोग कभी पेशेवर रूप से सर्प को पकड़ने (Professional Snake Handlers) का कार्य करते थे, आज वे संगीत और नृत्य में अपने पूर्व व्यवसाय को बनाए हुए हैं जो नए व रचनात्मक तरीकों के माध्यम से सामने आ रहा है। अत: कथन 2 सही है।
- वे खानाबदोश जीवन व्यतीत करते हैं और अनुसूचित जनजातियों (Scheduled Tribes) में शामिल हैं। अत: कथन 1 सही है।
- कालबेलिया की सबसे अधिक आबादी पाली ज़िले में पाई जाती है, उसके बाद अजमेर, चित्तौड़गढ़ और उदयपुर ज़िले (राजस्थान) में हैं।
- कालबेलिया नृत्य कालबेलिया समुदाय के पारंपरिक जीवनशैली की एक अभिव्यक्ति है। अत: कथन 3 सही नहीं है।

83.

उत्तर: B

व्याख्या:

- कन्नड़ क्षेत्र में भक्ति आंदोलन की शुरुआत 12वीं शताब्दी में बसवन्ना (1105-68) द्वारा की गई थी। अत: युग्म 1 सही सुमेलित नहीं है।
  - बसवेश्वर का जन्म 1131 ई. के दौरान बागेवाड़ी (कर्नाटक के अविभाजित बीजापुर ज़िले के) में हुआ था। वह लिंगायत संप्रदाय के संस्थापक संत हैं।
- महाराष्ट्र में भक्ति आंदोलन 13वीं सदी के अंत में शुरू हुआ। इसके समर्थकों को वारकरी कहा जाता था।
  - इसके सबसे लोकप्रिय नामों में ज्ञानदेव (1275-96), नामदेव (1270-50) और तुकाराम (1608-50) थे। अत: युग्म 2 सही सुमेलित है।
- श्रीमंत शंकरदेव एक वैष्णव संत थे जिनका जन्म 1449 ईस्वी में असम के नगांव ज़िले में हुआ था। उन्होंने नव-वैष्णव आंदोलन शुरू किया था। अत: युग्म 3 सही सुमेलित नहीं है।

- चैतन्य बंगाल के एक प्रसिद्ध संत और सुधारक थे जिन्होंने कृष्ण पंथ को लोकप्रिय बनाया। अत: युग्म 4 सही सुमेलित है।
- उत्तरी भारत के क्षेत्र में 13वीं से 17वीं शताब्दी तक बड़ी संख्या में कवि फले-फूले, ये सभी भक्ति आंदोलन के काफी महत्त्वपूर्ण व्यक्ति थे।
  - जबकि कबीर, रविदास और गुरु नानक ने निराकार भगवान (निर्गुण भक्ति) की बात की, राजस्थान की मीराबाई (1498-1546) ने कृष्ण की स्तुति में भक्ति छंदों की रचना की और उनका गुणगान किया।
  - सूरदास, नरसिंह मेहता और तुलसीदास ने भी भक्ति साहित्य के सिद्धांत में अमूल्य योगदान दिया तथा इसकी गौरवशाली विरासत को बढ़ाया।

84.

उत्तर: B

व्याख्या:

- भक्ति आंदोलन की शुरुआत संभवत: 6वीं और 7वीं शताब्दी ईस्वी के आसपास तमिल क्षेत्र में हुई और अलवार (विष्णु के भक्त) तथा नयनार (शिव के भक्त), वैष्णव और शैव कवियों की कविताओं के माध्यम से आंदोलन ने काफी लोकप्रियता प्राप्त की।
  - अलवार और नयनार अपने देवताओं की स्तुति में तमिल में भजन गाते हुए एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा करते थे। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- नालयिर दिव्यप्रबंधम अलवारों की एक रचना है। इसे प्राय: तमिल वेद के रूप में वर्णित किया जाता है। अत: कथन 2 सही है।
- अंडाल एक महिला अलवार थी और वह खुद को विष्णु की प्रेमिका के रूप में देखती थी।
- कराईकल अम्मैयार शिव की भक्त थीं और उन्होंने अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये कठोर तपस्या का मार्ग अपनाया। उनकी रचनाओं को नयनार परंपरा के भीतर संरक्षित किया गया है।

85.

उत्तर: B

व्याख्या:

- हुमायूँ के मकबरे का निर्माण वर्ष 1570 में हुआ था। यह मकबरा विशेष सांस्कृतिक महत्त्व का है क्योंकि यह भारतीय उपमहाद्वीप का पहला उद्यान-मकबरा था।
  - इसकी अनोखी सुंदरता को अनेक प्रमुख वास्तुकलात्मक नवाचारों से प्रेरित कहा जा सकता है, जो एक अतुलनीय ताजमहल के निर्माण में प्रवर्तित हुआ।
- इसका निर्माण हुमायूँ के पुत्र महान सम्राट अकबर के संरक्षण में किया गया था।
- इसे 'मुगलों का शयनागार' भी कहा जाता है क्योंकि इसके कक्षों में 150 से अधिक मुगल परिवार के सदस्य दबे हुए हैं।
- हुमायूँ का मकबरा चारबाग (कुरान के स्वर्ग की चार नदियों के साथ चार चतुर्भुज उद्यान) का एक उदाहरण है, जिसमें चैनलों से जुड़े कुंड शामिल हैं।
- संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने वर्ष 1993 में इसे विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दी। अत: विकल्प B सही है।

86.

उत्तर: A

व्याख्या:

- भक्ति आंदोलन तमिल क्षेत्र में शुरू हुआ और इसने विष्णु के भक्त- अलवार (न कि लिंगायत संप्रदाय) तथा शिव के भक्त- नयनार की कविताओं के माध्यम से काफी लोकप्रियता हासिल की। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - ये संत धर्म को एक औपचारिक पूजा के रूप में नहीं देखते थे बल्कि वे पूजा करने वाले व्यक्ति और भगवान के बीच प्रेम पर आधारित एक प्रेम बंधन के रूप में देखते थे।
- भक्ति आंदोलन मूल रूप से 9वीं शताब्दी में दक्षिण भारत में शंकराचार्य के साथ शुरू हुआ और भारत के विभिन्न हिस्सों में फैला तथा 16वीं शताब्दी तक कबीर, नानक और श्री चैतन्य के साथ एक महान आध्यात्मिक शक्ति के रूप में उभरा। अत: कथन 1 सही है।
- जगद्गुरु बसवेश्वर (न कि शंकराचार्य) 12वीं सदी के एक महान भारतीय दार्शनिक, राजनेता और समाज सुधारक थे।
  - वह शिव-केंद्रित भक्ति आंदोलन में 'लिंगायत संत' और कल्याणी चालुक्य/कलचुरी वंश के शासनकाल के दौरान हिंदू शैव समाज सुधारक थे।
    - लिंगायत भारत में एक हिंदू संप्रदाय है, जो शिव को एकमात्र देवता के रूप में पूजता है। दक्षिण भारत में लिंगायत समुदाय का विशेष प्रभाव दिखाई पड़ता है।
  - उन्हें 'भक्ति भंडारी' (शाब्दिक रूप से 'भक्ति के कोषाध्यक्ष') या बसवेश्वर (भगवान बसव) के रूप में भी जाना जाता है। अत: कथन 3 सही नहीं है।

87.

उत्तर: B

व्याख्या:

- मलेरकोटला एक पूर्व रियासत है और पंजाब का एकमात्र मुस्लिम बहुल शहर है।
  - ऐतिहासिक रूप से मलेरकोटला की नींव 15वीं शताब्दी में सूफी संत शेख सदरूद्दीन सदर-ए-जहां ने रखी इन्हें हैदर शेख के नाम से भी जाना जाता है। अटक कथन 1 सही नहीं है।

- मुगल साम्राज्य के पतन के बाद मलेरकोटला के शासकों ने अपनी स्वतंत्रता का प्रयोग किया और अफगानिस्तान के अहमद शाह अब्दाली के साथ गठबंधन कर लिया जब उसने भारत पर आक्रमण किया।
  - अहमद शाह अब्दाली ने वर्ष 1748-1767 तक भारत पर आठ बार आक्रमण किया।
- 19वीं शताब्दी में मलेरकोटला सीस-सतलज (cis-Sutlej) राज्यों में से एक बन गया।
- मलेरकोटला वर्ष 1947 तक (जब यह पूर्वी पंजाब में एकमात्र मुस्लिम बहुल सिख राज्य बन गया) ब्रिटिश संरक्षण और पड़ोसी सिख राज्यों के साथ गठबंधन के तहत अस्तित्व में रहा।
- वर्ष 1948 में रियासतों के विघटन के बाद मलेरकोटला पेप्सू या पटियाला और पूर्वी पंजाब राज्य संघ (PEPSU) के नए राज्य में शामिल हो गया। पेप्सू को वर्ष 1954 में ही भंग कर दिया गया तथा मलेरकोटला पंजाब का हिस्सा बन गया। अत: कथन 2 सही है।

88.

उत्तर: D

व्याख्या

- बौद्ध धर्म से संबंधित यूनेस्को के विरासत स्थल
  - नालंदा, बिहार में नालंदा महाविहार का पुरातात्त्विक स्थल
  - साँची, मध्य प्रदेश में बौद्ध स्मारक
  - बोधगया, बिहार में महाबोधि विहार परिसर
  - अजंता गुफाएँ, औरंगाबाद (महाराष्ट्र)
- खजुराहो स्मारक को वर्ष 1986 में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल सूची में शामिल किया गया था और यह चंदेल वास्तुकला और मूर्तिकला का एक असाधारण नमूना है (यह बौद्ध स्थल नहीं)। अत: विकल्प D सही है।

89.

उत्तर: B

व्याख्या:

- बेगम सुल्तान जहाँ भोपाल की आखिरी बेगम थीं। उन्होंने वर्ष 1909 से 1926 तक शासन किया जिसके बाद उनका पुत्र उत्तराधिकारी बना।
  - वह भोपाल की चौथी बेगम (महिला शासक) थीं। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- वह एक परोपकारी, विपुल लेखिका, नारीवादी तथा महिला सशक्तीकरण का प्रतीक होने के साथ ही अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की प्रथम महिला चांसलर भी थीं।
  - उन्होंने नगर पालिका प्रणाली की स्थापना की, नगरपालिका चुनावों की शुरुआत की और अपने लिये एक किलेबंद शहर तथा एक महल का निर्माण करवाया।
  - किलेबंद शहर में उन्होंने सार्वजनिक स्वास्थ्य, स्वच्छता और जल की आपूर्ति में सुधार हेतु कदम उठाए तथा इस शहर के निवासियों के लिये व्यापक टीकाकरण अभियान लागू किया।
- उन्होंने 41 किताबें लिखीं तथा अंग्रेज़ी भाषा की कई पुस्तकों का उर्दू में अनुवाद किया।
  - उनके द्वारा लिखी गई दर्स-ए-हयात (Dars-e-Hayat) नामक पुस्तक में युवा लड़कियों की शिक्षा और पालन-पोषण के बारे में बताया गया है। अत: कथन 2 सही है।
  - उन्होंने लेडी मिंटो नर्सिंग स्कूल (Lady Minto Nursing School) नाम से एक नर्सिंग स्कूल भी शुरू किया।
  - वह अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (AMU) की पहली महिला कुलाधिपति थीं।

90.

उत्तर: D

व्याख्या:

- राणा प्रताप सिंह, जिन्हें महाराणा प्रताप के नाम से भी जाना जाता है, का जन्म 9 मई, 1540 में राजस्थान के कुंभलगढ़ में हुआ था।
  - वे मेवाड़ के 13वें राजा थे और उदय सिंह द्वितीय के सबसे बड़े पुत्र थे।
    - महाराणा उदय सिंह द्वितीय ने अपनी राजधानी चित्तौड़ से मेवाड़ राज्य पर शासन किया। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- वर्ष 1576 में हल्दीघाटी का युद्ध मेवाड़ के राणा प्रताप सिंह और मुगल सम्राट अकबर की सेना के मध्य लडा गया था, जिसमें मुगल सेना का नेतृत्व आमेर के राजा मान सिंह द्वारा किया गया था। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - महाराणा प्रताप ने वीरतापूर्ण इस युद्ध को लड़ा, लेकिन मुगल सेना ने उन्हें पराजित कर दिया ।
  - ऐसा कहा जाता है कि महाराणा प्रताप को युद्ध के मैदान से बाहर निकालने के दौरान 'चेतक' (Chetak) नामक उनके वफादार घोड़े ने अपनी जान दे दी थी।

91.

उत्तर: B

व्याख्या:

- हक्कीपिक्की जनजातियाँ अर्द्ध घुमंतू जनजातीय लोग हैं, इनके गुजराथीओ (Gujrathioa), कालीवाला (Kaliwala), मेवाड़ा (Mewara) और पनवारा (Panwara) चार वंश हैं।

- यह कर्नाटक की एक अनुसूचित जनजाति (Scheduled Tribe) है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- 'हक्कीपिक्की' का अर्थ कन्नड़ में "पक्षी पकड़ने वाले" (Bird Catcher) से है।

- ये कई दक्षिण भारतीय भाषाओं जैसे- कन्नड़, तमिल, तेलुगू और मलयालम के साथ-साथ वाग्रिबूली (Vagribooli) भी बोलते हैं जो गुजराती के समान है।
- हक्कीपिक्की आदिवासी समुदायों का एक समृद्ध इतिहास है। इनका पैतृक संबंध महाराणा प्रताप सिंह के साथ होने का दावा किया जाता है।
  - हक्कीपिक्की एक क्षत्रिय या योद्धा आदिवासी समुदाय है, जिन्हें मुगलों से पराजित होने के बाद दक्षिण भारत में पलायन करना पड़ा। अत: कथन 2 सही है।

92.

उत्तर: A

व्याख्या:

- पुलायार, जिसे पुलाया या होल्या भी कहा जाता है, केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में पाए जाने वाले प्रमुख सामाजिक समूहों में से एक हैं।
  - पुलायार समुदाय केरल और तमिलनाडु की एक अनुसूचित जाति है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- पुलायास अपने संगीत, शिल्प कौशल और कुछ विशिष्ट नृत्य के लिये जाने जाते हैं, जिनमें शामिल हैं,
  - कुलाम-थुल्लल (Kōlam-thullal) एक मुखौटा नृत्य (Mask Dance) है, जो इनके जादू टोना या झाड़-फूँक अनुष्ठानों (Exorcism rituals) का एक हिस्सा है। अत: कथन 2 सही है।
  - मुदी-अट्टम (Mudi-āttam) नृत्य का उद्भव प्रजनन अनुष्ठान से माना जाता है।
- महात्मा अय्यनकाली (Mahatma Ayyankali) को 'पुलया राजा' (Pulaya King) कहा था।
  - वर्ष 1893 में अय्यनकाली ने कुछ विशिष्ट हिंदू जातियों द्वारा सार्वजनिक सड़कों के प्रयोग पर तथाकथित अछूतों को 'प्रतिबंधित' करने को चुनौती दी और सड़क पर बैलगाड़ी की सवारी करने विरोध दर्ज करवाया।
  - अय्यनकाली ने पुलायार समुदाय के अधिकारों की वकालत की और अय्यनकाली के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों के कारण ही वर्ष 1907 में तथाकथित अछूत माने जाने वाले समुदायों के बच्चों को सरकारी स्कूलों में दाखिल करने का फरमान जारी किया गया। अत: कथन 3 सही है।

93.

उत्तर: (D)

व्याख्या:

- बारहवीं सदी (न कि वैदिक काल) में कर्नाटक में 'बासवन्ना' के नेतृत्व में एक धार्मिक आंदोलन चला जिसमें बासवन्ना के अनुयायी 'लिंगायत' कहलाए। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - बसवेश्वरा पूर्णत: जाति व्यवस्था और वैदिक अनुष्ठानों के विरुद्ध थे।
- लिंगायत पूर्णत: एकेश्वरवादी होते हैं। वे केवल एक ही ईश्वर 'लिंग', (शिव) की पूजा करते हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- 'लिंग' शब्द का अर्थ मंदिरों में स्थापित लिंग नहीं है, बल्कि सार्वभौमिक ऊर्जा (शक्ति) द्वारा सार्वभौमिक चेतना से है।
- माना जाता है कि वीरशैव तथा लिंगायत एक ही है किंतु लिंगायतों का तर्क है कि वीरशैव का अस्तित्व लिंगायतों से पहले का है तथा वीरशैव मूर्तिपूजक हैं।
- कर्नाटक में लगभग 18 प्रतिशत आबादी लिंगायतों की है। ये लंबे समय से हिंदू धर्म से पृथक् धर्म का दर्जा चाहते हैं।

94.

उत्तर: B

व्याख्या:

- ओडिया भाषा, इंडो-आर्यन परिवार के पूर्वी समूह में सबसे पुरानी भाषा है। अत: कथन 1 सही है।
  - ओडिया भाषा की उत्पत्ति अर्धमागधी प्राकृत से हुई है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- ओडिया उन छह भाषाओं में शामिल है जिन्हें भारतीय शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त है।
  - यह भारतीय संविधान में आधिकारिक तौर पर "अनुसूचित" भाषा है अर्थात् यह संविधान की अनुसूची 8 में शामिल भाषा है।
- ओडिशा राज्य की मुख्य आधिकारिक भाषा भी है।
- वह पहले विद्वान थे जिन्होंने 15वीं शताब्दी में ओडिया भाषा में अपनी रचनाएँ लिखी थीं।
  - इन्हें ओडिया भाषा के तीन प्रमुख ग्रंथों- महाभारत (Mahabharata), विलंका रामायण (Vilanka Ramayana) और चंडी पुराण (Chandi Purana) के लिये जाना जाता है। अत: कथन 3 सही है।
  - इन्हें लक्ष्मी नारायण वचनिका की रचना हेतु भी जाना जाता है।

95.

उत्तर: C

व्याख्या:

- गुड़ी पड़वा और उगादि त्योहार कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र सहित दक्कन क्षेत्र के लोगों द्वारा मनाए जाते हैं। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- दोनों त्योहारों के समारोहों में आम प्रथा है कि उत्सव का भोजन मीठे और कड़वे मिश्रण से तैयार किया जाता है।
  - दक्षिण में बेवु-बेला नामक गुड़ (मीठा) और नीम (कड़वा) परोसा जाता है, जो यह दर्शाता है कि जीवन सुख और दुख दोनों का मिश्रण है। अत: कथन 2 सही है।
- गुड़ी महाराष्ट्र के घरों में तैयार की जाने वाली एक गुड़िया है।
  - गुड़ी बनाने के लिये बाँस की छड़ी को हरे या लाल ब्रोकेड से सजाया जाता है। इस गुड़ी को मुख्य रूप से घर में या खिड़की/दरवाजे के बाहर सभी को दिखाने के लिये से रखा जाता है। अत: कथन 3 सही है।
  - उगादि के लिये घरों में दरवाजे आम के पत्तों से सजाए जाते हैं, जिन्हें कन्नड़ भाषा में तोरणालु या तोरण कहा जाता है।

96.

उत्तर: C

व्याख्या:

- भारतीय मंदिरों को मोटे तौर पर नागर (Nagara), बेसर (Vesara), द्रविड़ (Dravida) और वास्तुकला की गदग (Gadag) शैलियों में विभाजित किया गया है।
  - हालाँकि ओडिशा की मंदिर वास्तुकला अपने अद्वितीय प्रतिनिधित्व के कारण पूरी तरह से एक अलग श्रेणी से मेल खाती है जिसे मंदिर वास्तुकला की कलिंग शैली कहा जाता है।
  - सामान्यत: यह शैली नागर शैली के अंतर्गत आती है। अत: कथन 1 सही है।
- कलिंग वास्तुकला में, मूल रूप से एक मंदिर दो भागों में बना होता है, पहला शिखर और दूसरा, गर्भगृह । शिखर को देउल (Deula) तथा गर्भगृह को जगमोहन (Jagmohan) कहा जाता है। अत: कथन 2 सही है।
  - देउल और जगमोहन की दीवारों पर भव्य रूप में वास्तुशिल्प रूपांकनों और आकृतियों को बनाया जाता है।
  - सर्वाधिक एवं बार-बार बनाई जाने वाला आकृति घोड़े की नाल के आकार (Horseshoe Shape) की है, जो कि आदिकाल से प्रचलित है तथा जिसे चैत्य-गृह की बड़ी खिड़कियों से बनाना शुरू किया जाता है।
  - देउल शैली का प्रयोग कर कलिंग वास्तुकला में तीन विभिन्न प्रकार के मंदिरों का निर्माण किया गया है:
    - रेखा देउल (Rekha Deula)।
    - पिढा देउल (Pidha Deula)।
    - खाखरा देउल (Khakhara Deula)।
  - प्रथम दो (रेखा देउल, पिढा देउल) का संबंध विष्णु, सूर्य और शिव के मंदिरों से है, जबकि तीसरा (खाखरा देउल) मुख्य रूप से चामुंडा और दुर्गा मंदिरों के संबंधित है।
  - रेखा देउल, पिढा देउल का प्रयोग गर्भगृह में किया जाता है जबकि खाखरा देउल का प्रयोग नाट्यशाला और भोग मंडप में देखा जाता है।

97.

उत्तर:B

व्याख्या:

- ब्रू या रियांग (Reang) पूर्वोत्तर भारत का एक समुदाय है, जो ज़्यादातर त्रिपुरा, मिज़ोरम और असम में रहता है। अत: कथन 2 सही है।
- यह समुदाय त्रिपुरा में विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह (Particularly Vulnerable Tribal Group) के रूप में पहचान जाता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- इस समुदाय के लोगों को मिज़ोरम में उन समूहों द्वारा लक्षित किया गया है जो इन्हें विदेशी मानते हैं।
- PVTGs [जिन्हें पूर्व में आदिम जनजातीय समूह (PTG) के रूप में जाना जाता था] भारत सरकार द्वारा किया जाने वाला वर्गीकरण है जो विशेष रूप से निम्न विकास सूचकांकों वाले कुछ समुदायों की स्थितियों में सुधार को सक्षम करने के उद्देश्य से सृजित किया गया है। गृह मंत्रालय द्वारा 75 जनजातीय समूहों को विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- आदिवासी समूहों में PVTGs अधिक कमज़ोर हैं। वर्ष 1973 में धेबर आयोग (Dhebar Commission) ने आदिम जनजाति समूह (Primitive Tribal Groups-PTGs) को एक अलग श्रेणी के रूप में वर्गीकृत किया था। वर्ष 2006 में भारत सरकार ने PTG का नाम बदलकर PVTG कर दिया था। अत: कथन 3 सही है।

98.

उत्तर: C

व्याख्या:

- भगवान महावीर का जन्म 540 ईसा पूर्व में 'वज्जि साम्राज्य' में कुंडग्राम के राजा सिद्धार्थ और लिच्छवी राजकुमारी रानी त्रिशला के यहाँ हुआ था। वज्जि संघ आधुनिक बिहार में वैशाली क्षेत्र के अंतर्गत आता है। अत: कथन 1 सही है।

- भगवान महावीर 'इक्ष्वाकु वंश' (Ikshvaku dynasty) से संबंधित थे।
- बचपन में भगवान महावीर का नाम वर्धमान था, जिसका अर्थ होता है 'जो बढ़ता है'।
- उन्होंने 30 वर्ष की आयु में सांसारिक जीवन को त्याग दिया और 42 वर्ष की आयु में उन्हें 'कैवल्य' यानी सर्वज्ञान की प्राप्ति हुई।
- महावीर ने अपने शिष्यों को अहिंसा, सत्य, अस्तेय (चोरी न करना), ब्रह्मचर्य (शुद्धता) तथा अपरिग्रह (अनासक्ति) का पालन करने की शिक्षा दी और उनकी शिक्षाओं को 'जैन आगम' (Jain Agamas) कहा गया। अत: कथन 2 सही है।
- प्राकृत भाषा के प्रयोग के कारण प्राय: आम जनमानस भी महावीर और उनके अनुयायियों की शिक्षाओं एवं उपदेशों को समझने में समर्थ थे।
- महावीर को बिहार में आधुनिक राजगीर के पास पावापुरी नामक स्थान पर 468 ईसा पूर्व में 72 वर्ष की आयु में निर्वाण (जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्ति) प्राप्त हुआ।

99.

उत्तर: C

व्याख्या:

- जैन शब्द की उत्पत्ति 'जिन' शब्द से हुई है, जिसका अर्थ है 'विजेता'।
  - 'तीर्थंकर' एक संस्कृत शब्द है, जिसका प्रयोग संसार सागर से पार लगाने वाले 'तीर्थ' के प्रवर्तक के लिये किया जाता है।
- जैन धर्म में अहिंसा को अत्यधिक महत्त्व दिया गया है। अत: कथन 1 सही है।
- यह 5 महाव्रतों (5 महान प्रतिज्ञाओं) का प्रचार करता है:
  - अहिंसा
  - सत्य
  - अस्तेय (चोरी न करना)
  - अपरिग्रह (अनासक्ति)
  - ब्रह्मचर्य (शुद्धता)
- इन 5 शिक्षाओं में, ब्रह्मचर्य (ब्रह्मचर्य/शुद्धता) को महावीर द्वारा जोड़ा गया था। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- जैन धर्म अपनी सहायता स्वयं ही करने पर बल देता है।
  - इसके अनुसार, कोई देवता या आध्यात्मिक प्राणी नहीं हैं, जो मनुष्य की सहायता करेंगे।
  - यह वर्ण व्यवस्था की निंदा नहीं करता है। अत: कथन 3 सही नहीं है।

100.

उत्तर: (C)

व्याख्या:

- प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को सांस्कृतिक-ऐतिहासिक स्थलों और धरोहरों के संरक्षण हेतु जागरूकता पैदा करने के लिये 'अंतर्राष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल दिवस' अथवा 'विश्व धरोहर दिवस' का आयोजन किया जाता है।
  - वर्ष 2021 के लिये इस दिवस की थीम 'कॉम्प्लेक्स पास्ट्स: डाइवर्स फ्यूचर्स' (जटिल अतीत: विविध भविष्य) है।
- इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स (ICOMOS) ने वर्ष 1982 में 'विश्व धरोहर दिवस' की स्थापना की थी और वर्ष 1983 में इसे 'संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन' (UNESCO) की मंज़ूरी प्राप्त हुई थी।
  - यह यूनेस्को से संबद्ध एक वैश्विक गैर-सरकारी संगठन है। यह भी पेरिस, फ्राँस में स्थित है। अत: कथन 1 सही है।
  - इसका प्राथमिक मिशन स्मारकों, परिसरों और स्थलों के निर्माण, संरक्षण, उपयोग और बढ़ोतरी को प्रोत्साहन देना है।
  - यह यूनेस्को के विश्व धरोहर सम्मेलन के कार्यान्वयन हेतु विश्व धरोहर समिति के एक सलाहकार निकाय के रूप में भी कार्य करता है। अत: कथन 2 सही है।
- वर्ष 1965 में इसकी स्थापना वास्तुकारों, इतिहासकारों और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के बीच शुरू हुई वार्ता का तार्किक परिणाम है, जो बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में शुरू हुई और वर्ष 1964 में 'वेनिस चार्टर' के रूप में संपन्न हुई।

101.

उत्तर: D

व्याख्या:

- 11वीं शताब्दी में निर्मित लिंगराज मंदिर, भगवान शिव को समर्पित मंदिर है इसे भुवनेश्वर (ओडिशा) शहर का सबसे बड़ा मंदिर माना जाता है।
  - ऐसा माना जाता है कि इसका निर्माण सोमवंशी राजा ययाति प्रथम (Yayati I) ने करवाया था। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- यह लाल पत्थर से निर्मित है जो कलिंग शैली की वास्तुकला (Kalinga style of Architecture) का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।
  - मोटे तौर पर यह शैली नागर शैली के अंतर्गत आती है। अत: कथन 1 सही नहीं है।

- मंदिर को चार वर्गों में विभाजित किया गया है-
  - विमान (गर्भगृह युक्त संरचना)।
  - यज्ञ शाला (प्रार्थना के लिये हॉल)।
  - भोग मंडप (प्रसाद हेतु हॉल)।
  - नाट्य शाला (नृत्य के लिये हॉल)।

102.

उत्तर: C

व्याख्या:

- नवरेह यह कश्मीर में मनाया जाने वाला चंद्र नववर्ष है।
  - संस्कृत के शब्द 'नववर्ष' से 'नवरेह' शब्द की व्युत्पत्ति हुई है।
  - इस दिन कश्मीरी पंडित चावल के एक कटोरे के दर्शन करते हैं, जिसे धन और उर्वरता का प्रतीक माना जाता है। अत: युग्म 1 सही सुमेलित नहीं है।
- गुड़ी पड़वा और उगादि त्योहार कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र सहित दक्कन क्षेत्र में लोगों द्वारा मनाए जाते हैं।
  - उगादि के लिये घरों में दरवाजे आम के पत्तों से सजाए जाते हैं, जिन्हें कन्नड़ में तोरणालु या तोरण कहा जाता है। अत: युग्म 2 सही सुमेलित है।
- पुथांडू को पुथुवरुडम या तमिल नववर्ष के रूप में भी जाना जाता है, यह तमिल कैलेंडर वर्ष का पहला दिन है और पारंपरिक रूप से एक त्योहार के रूप में मनाया जाता है।
  - इस त्योहार की तारीख तमिल महीने चिथिरई के पहले दिन के रूप में हिंदू कैलेंडर के सौर चक्र के साथ निर्धारित की जाती है। अत: युग्म 3 सही सुमेलित है।
- विशु एक हिंदू त्योहार है जो भारत के केरल राज्य, कर्नाटक में तुलु नाडु क्षेत्र, केंद्रशासित प्रदेश पांडिचेरी का माहे ज़िला, तमिलनाडु के पड़ोसी क्षेत्र और उनके प्रवासी समुदाय में मनाया जाता है।
  - यह त्योहार केरल में सौर कैलेंडर के नौवें महीने, मेदाम के पहले दिन को चिह्नित करता है। अत: युग्म 4 सही सुमेलित नहीं है।

103.

उत्तर: C

व्याख्या:

- नगा, मुख्य तौर पर पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोग होते हैं जिनकी आबादी लगभग 2. 5 मिलियन (नगालैंड में 1.8 मिलियन, मणिपुर में 0.6 मिलियन और अरुणाचल प्रदेश में 0.1 मिलियन) है। ये भारतीय राज्य- असम और बर्मा (म्याँमार) के मध्य सुदूर पहाड़ी क्षेत्रों में रहते हैं। अत: कथन 1 सही है।
  - नगा, केवल एक जनजाति नहीं है, बल्कि एक जातीय समुदाय है, जिसमें नगालैंड और उसके आसपास के क्षेत्रों की कई जनजातियाँ शामिल हैं।
- नगा समुदाय, इंडो-मंगोलॉयड समूह से संबंधित है। अत: कथन 1 सही है।
  - कुछ प्रमुख नगा जनजातियों में एओस (Aos), अंगामिस (Angamis), चांग्स (Changs), चकेसांग (Chakesang) , काबूस (Kabuis), कचरिस (Kacharis), कोन्याक (Konyaks), कूकी (Kuki) लोथस (Lothas), माओ (Maos) , मिकीर्स (Mikirs), रेंगमास (Rengmas), टैंकहुल्स (Tankhuls), और ज़ीलियांग (Zeeliang) आदि शामिल हैं।

104.

उत्तर: (B)

व्याख्या

- अर्द्ध-घुमंतू जनजातियाँ वे हैं, जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर आवाजाही तो करती हैं, किंतु वर्ष में एक बार मुख्यत: व्यावसायिक कारणों से अपने निश्चित निवास स्थान पर ज़रूर लौटती हैं।
- विमुक्त जनजातियाँ वे हैं, जिन्हें ब्रिटिश शासन के दौरान लागू किये गए आपराधिक जनजाति अधिनियम के तहत अधिसूचित किया गया था, जिसके तहत पूरी आबादी को जन्म से अपराधी घोषित कर दिया गया था। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - वर्ष 1952 में इस अधिनियम को निरस्त कर दिया गया और समुदायों को विमुक्त कर दिया गया।
- विमुक्त, घुमंतू और अर्द्ध-घुमंतू जनजाति (DNT) के लिये डॉ. अंबेडकर प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना एक केंद्रीय प्रायोजित योजना है। अत: कथन 2 सही है।
- यह केंद्रीय प्रायोजित योजना वर्ष 2014-15 में विमुक्त, घुमंतू और अर्द्ध-घुमंतू जनजाति (DNT) के उन छात्रों के कल्याण हेतु शुरू की गई थी, जो अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) श्रेणी के अंतर्गत नहीं आते हैं।

105.

उत्तर: A

व्याख्या:

- भारत में आठ प्रकार के शास्त्रीय नृत्य हैं-
- भरतनाट्यम (तमिलनाडु)
- कथक (उत्तर भारत)
- कथकली (केरल)
- मोहिनीअट्टम (केरल)
- कुचिपुड़ी (आंध्र प्रदेश)

- ओडिसी (ओडिशा)
- सत्रीया (असम)
- मणिपुरी (मणिपुर)। अत: कथन 1 सही है।
- कल्लादीकोडन शैली कथकली की तीन प्रमुख शैलियों में से एक है, जबकि अन्य दो शैलियाँ वेट्टाथु और कपलिंगडु हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - कल्लादीकोडन शैली के तीन पहलुओं में नृत्त (नृत्य की लय उनके मूल रूप में), नृत्य (अभिव्यंजक घटक यानी मुद्राएँ या इशारे) और नाट्य (नृत्य का नाटकीय तत्त्व यानी पात्रों की नकल) को समान महत्त्व दिया जाता है।
- हाल ही में प्रसिद्ध कथकली नर्तक गुरु चेमनचेरी कुन्हीरमण नायर का निधन केरल के कोझिकोड में 105 वर्ष की आयु में हो गया। अत: कथन 3 सही नहीं है।

106.

उत्तर: C

व्याख्या:

- अनंगपाल द्वितीय तोमर राजवंश से संबंधित थे। इन्हें अनंगपाल तोमर के रूप में में भी जाना जाता है।
- उन्होंने ढिल्लिका पुरी की स्थापना की थी जिसे आगे चलकर दिल्ली के रूप में जाना गया। कथन 3 सही है।
  - कुतुब मीनार के निकट स्थित मस्जिद कुव्वतुल इस्लाम के लौह स्तंभ पर दिल्ली के प्रारंभिक इतिहास के बारे में साक्ष्य अंकित हैं।
  - विभिन्न शिलालेखों और सिक्कों से यह पता चलता है कि अनंगपाल तोमर 8वीं से 12वीं शताब्दी के बीच वर्तमान दिल्ली और हरियाणा के शासक थे। अत: कथन 1 सही है।
    - उन्होंने शहर का निर्माण खंडहरों से किया तथा उनकी निगरानी में ही अनंग ताल बावली और लाल कोट का निर्माण किया गया।
  - अनंगपाल द्वितीय के बाद उनका पोता पृथ्वीराज चौहान शासक बना।
    - 1192 में तराइन (वर्तमान हरियाणा) के द्वितीय युद्ध में पृथ्वीराज चौहान की पराजय के बाद गोरी की सेना द्वारा दिल्ली सल्तनत की स्थापना की गई। अत: कथन 2 सही नहीं है।

107.

उत्तर: D

व्याख्या:

- यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची (UNESCO's Representative List of Intangible Cultural Heritage of Humanity) उन अमूर्त विरासतों से मिलकर बनी है जो सांस्कृतिक विरासत की विविधता को प्रदर्शित करने और इसके महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करते हैं।
- यह सूची वर्ष 2008 में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा पर कन्वेंशन के समय बनाई गई थी।
- यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में भारतीय विरासतें:
  1. वैदिक जप की परंपरा।
  2. रामलीला, रामायण का पारंपरिक प्रदर्शन।
  3. कुटियाट्टम, संस्कृत थियेटर।
  4. रम्मन।
  5. मुदियेट्टू, अनुष्ठान थियेटर और केरल का नृत्य नाटक।
  6. कालबेलिया लोकगीत और राजस्थान के नृत्य।
  7. छऊ नृत्य।
  8. लद्दाख का बौद्ध जप।
  9. मणिपुर का संकीर्तन।
  10. पंजाब के ठठेरों द्वारा बनाए जाने वाले पीतल और तांबे के बर्तन।
  11. योग।
  12. नवरोज़।
  13. कुंभ मेला।
  14. दुर्गा पूजा (पश्चिम बंगाल)
- जल्लीकट्टू, तमिलनाडु का एक प्राचीन पारंपरिक खेल है, जिसका आयोजन फसलों की कटाई के अवसर पर पोंगल के समय किया जाता है। यह यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची के अंतर्गत नहीं आता है। अत: विकल्प D सही है।

108.

उत्तर: C

व्याख्या:

- लाचित बोड़फुकन (Lachit Borphukan) का जन्म 24 नवंबर, 1622 को हुआ था। इन्होंने वर्ष 1671 में हुए सराईघाट के युद्ध (Battle of Saraighat) में अपनी सेना को प्रभावी नेतृत्व प्रदान किया, जिससे मुगल सेना का असम पर कब्ज़ा करने का प्रयास विफल हो गया था।
  - इनसे भारतीय नौसैनिक शक्ति को मज़बूत करने, अंतर्देशीय जल परिवहन को पुनर्जीवित करने और नौसेना की रणनीति से जुड़े बुनियादी ढाँचे के निर्माण की प्रेरणा ली गई।
  - इसे एक नदी पर होने वाली सबसे बड़ी नौसैनिक लड़ाई के रूप में जाना जाता है, जिसमें मुगल सेना की हार और अहोम सेना की जीत हुई। अत: कथन 1 सही है।
- सराईघाट का युद्ध (Battle of Saraighat) वर्ष 1671 में गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र (Brahmaputra) नदी के तट पर लड़ा गया था। अत: कथन 2 सही है।

109.

उत्तर: C

व्याख्या:

- शिगमोत्सव गोवा के आदिवासी समुदायों द्वारा धान की समृद्ध और सुनहरी फसल के लिये मनाए जाने वाला उत्सव है। अत: कथन 1 सही है।
    - कुनबी, गावड़ा और वेलिप सहित विभिन्न कृषि समुदाय इस त्योहार को मनाते हैं जो वसंत की शुरुआत का भी प्रतीक है।
- महोत्सव के दो प्रकार:
    - धाक्टो शिग्मो (Dhakto Shigmo- छोटा शिग्मो): यह ग्रामीण आबादी, किसानों और मज़दूर वर्ग द्वारा मनाया जाता है।
    - वदल्लो शिग्मो (Vhadlo Shigmo- बड़ा शिगमो): इसका महत्त्व अधिक है जो सभी लोगों द्वारा मनाया जाता है।
- शिगमो उत्सव हिंदू कैलेंडर के अनुसार फाल्गुन-चैत्र महीनों में एक पखवाड़े से अधिक समय तक मनाया जाता है, जो ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार हर साल मार्च-अप्रैल में पड़ता है।
    - यह उत्सव 'नमन' (Naman) गीत से शुरू होता है, जो स्थानीय देवताओं का आह्वान करने के लिये है 'मांड' (Maand) नामक मंच पर ढोल, मढ़ले और ताशे जैसे वाद्य यंत्रों को बजाकर गाया जाता है।
        - इसे 'रोम्टा मेल' (Romta Mell) नृत्य कहा जाता है जो गाँव-गाँव घूम कर किया जाता है।
        - इस उत्सव में घोड़े मोदिनी (Ghode Modni- घुड़सवार योद्धाओं का नृत्य), गोप और फुगड़ी जैसे लोक नृत्य किये जाते हैं। अत: कथन 2 सही है।
    - शिग्मो को पूरे भारत में विभिन्न नामों से मनाया जाता है:
        - उत्तर भारत- होली।
        - असम और बंगाल-दोलयात्रा।
        - दक्षिण भारत- कामदहन।
        - महाराष्ट्र- शिमगा।

110.

उत्तर: B

व्याख्या:

- कत्यूरी राजा वर्तमान भारत के उत्तराखंड राज्य में एक मध्यकालीन शासक कबीले थे। उन्होंने इस क्षेत्र पर 700 से 1200 शताब्दी के मध्य शासन किया जो अब कुमाऊँ के रूप में जाना जाता है। अत: युग्म 1 सही नहीं है।
- जेजाकभुक्ति के चंदेल मध्य भारत में एक शाही राजवंश थे। उन्होंने 9वीं और 13वीं शताब्दी के मध्य बुंदेलखंड क्षेत्र पर शासन किया। अत: युग्म 2 सही है।
- पाल साम्राज्य भारतीय उपमहाद्वीप का एक शाही एवं शक्तिशाली राजवंश था, जिसकी उत्पत्ति बंगाल क्षेत्र में हुई । अत: युग्म 3 सही है।

111.

उत्तर: (D)

व्याख्या

- खजुराहो समूह के मंदिर अपनी नागर स्थापत्य शैली और कामुक मूर्तियों के लिये प्रसिद्ध हैं। अत: कथन 1 सही नहीं है।
    - यह देश के 19 चिह्नित प्रतिष्ठित पर्यटक स्थलों में से एक है।
- खजुराहो समूह के स्मारक को यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- खजुराहो के अधिकांश मंदिरों का निर्माण 885 ईस्वी से 1050 ईस्वी के बीच चंदेल राजवंश द्वारा किया गया था। अत: कथन 2 सही नहीं है।

112.

उत्तर: C

व्याख्या:

- हाल ही में पश्चिम रेलवे ने गुजरात में वाघई-बिलिमोरा के बीच 107 साल पुरानी नैरो गेज हेरिटेज ट्रेन सहित तीन ट्रेनों की सेवाओं को स्थायी रूप से स्थगित/रद्द करने का निर्णय लिया है।
- गायकवाड़ राजवंश भारतीय शासक परिवार है जिसकी राजधानी गुजरात के बड़ौदा (अब वडोदरा) में थी।
    - गायकवाड़ राजवंश 18 वीं शताब्दी के मराठा परिसंघ में एक अग्रणी शक्ति बन गया था। गायकवाड़ राजवंश के संस्थापक दामाजी प्रथम थे जो वर्ष 1740 में सत्ता में आए। अंतिम गायकवाड़ शासक सयाजीराव तृतीय थे जिनकी वर्ष 1939 में मृत्यु हो गई। अत: कथन 1 सही है।
- गायकवाड़ वंश का क्षेत्राधिकार सौराष्ट्र के कुछ हिस्सों, उत्तरी गुजरात के मेहसाणा और दक्षिण गुजरात के बिलिमोरा तक फैला हुआ था। अत: कथन 2 सही है।

113.

उत्तर: A

व्याख्या:

- हाल ही में प्रधानमंत्री ने शास्त्रीय संगीत गायक पंडित भीमसेन जोशी (Pandit Bhimsen Joshi) को उनकी जन्म शताब्दी पर श्रद्धांजलि अर्पित की।
    - पंडित भीमसेन जोशी का जन्म 4 फरवरी, 1922 को हुआ था।
    - महत्त्वपूर्ण उपलब्धि: इन्हें वर्ष 2008 में भारत रत्न प्रदान किया गया था। अत: कथन 1 सही है।

- कार्य: इनके द्वारा गाए जाने वाले शुद्ध कल्याण, मियाँ की टोडी, पुरिया धनश्री और मुल्तान आदि प्रसिद्ध रागों के लिये इन्हें याद किया जाता है।
- ये किराना घराने से संबंध रखते थे।
  - किराना घराने का नाम उत्तर प्रदेश के कैराना नामक एक छोटे शहर से पड़ा है। इसकी स्थापना उस्ताद अब्दुल करीम खान ने की थी। अब्दुल वाहिद खान, सुरेश बाबू माने, हीरा बाई बडोडकर और रोशनआरा बेगम जैसे प्रसिद्ध कलाकार इस घराने से संबंधित हैं।
    - ये हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के 'स्कूल' से ताल्लुक रखते थे। अत कथन 2 सही नहीं है।

114.

उत्तर: C

व्याख्या:

- हाल ही में केंद्र सरकार ने ओडिशा के पुरी में स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर के लिये राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण (National Monuments Authority- NMA) द्वारा जारी की गई विरासत उपविधि को वापस ले लिया है।
- ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी में पूर्वी गंग राजवंश (Eastern Ganga Dynasty) के राजा अनंतवर्मन चोडगंग देव द्वारा किया गया था। अत: कथन 1 सही है।
- पुरी (ओडिशा) स्थित जगन्नाथ मंदिर को "सफेद पैगोडा" कहा जाता था और यह चारधाम तीर्थयात्रा (बद्रीनाथ, द्वारका, पुरी, रामेश्वरम) का एक हिस्सा है। अत: कथन 2 सही है।

115.

उत्तर: D

व्याख्या:

- हाल ही में एक रोबोट द्वारा केरल की प्रसिद्ध मंदिर कला थोलपावाकुथु में एक चमड़े की छाया कठपुतली तैयार की गई है।
- यह केरल की एक पारंपरिक मंदिर कला है जो पलक्कड़ और इसके पड़ोसी क्षेत्रों से संबंधित है। अत: कथन 1 सही है।
  - यह कला काफी हद तक पलक्कड़ ज़िले के शोरानूर क्षेत्र के पुलवार परिवारों तक ही सीमित है।
- केरल की प्राचीन कलाकृतियों में थोलपावाकुथु या छाया कठपुतली नाटक का प्रमुख स्थान है। यह आर्य और द्रविड़ संस्कृतियों के एकीकरण का एक अच्छा उदाहरण है। अत: कथन 3 सही है।
- यह पलक्कड़ ज़िले के काली मंदिरों में वार्षिक उत्सवों के दौरान निभाई जाने वाली एक रस्म है।
- इसे निज़लकुथु (Nizhalkkoothu) और ओलाकुथू (Olakkoothu) के रूप में भी जाना जाता है।
- नाटक का विषय 'कंब रामायण' (महाकाव्य का तमिल संस्करण) पर आधारित है। अत: कथन 2 सही है।

116.

उत्तर: C

व्याख्या:

- छाया कठपुतली को विश्व की सबसे पुरानी कठपुतली के रूप में जाना जाता है। भारत में छाया कठपुतली के क्षेत्रीय नाम इस प्रकार हैं-

राज्य	नाम
आंध्र प्रदेश	थोलू बोम्मलता
कर्नाटक	तोगलु गोमेयाता
महाराष्ट्र	चर्मा बहुली नाट्य
ओडिशा	रावनछाया
केरल	थोलपावाकुथु
तमिलनाडु	थोल बोम्मलता

अत: विकल्प (c) सही है।

117.

उत्तर: (D)

व्याख्या

- भीमबेटका गुफाएँ मध्य भारत का एक पुरातात्त्विक स्थल है, जिसकी काल अवधि प्रागैतिहासिक पाषाण काल और मध्य पाषाण काल से लेकर ऐतिहासिक काल तक है।
- यह भारत में मानव जीवन के शुरुआती सकेतकों और पाषाण युग के साक्ष्य को प्रदर्शित करता है। अत: कथन 1 सही है।
- तकरीबन 10 किलोमीटर क्षेत्र में फैले यूनेस्को के इस विश्व धरोहर स्थल में कुल सात पहाड़ियाँ और 750 से अधिक गुफाएँ शामिल हैं। अत: कथन 2 सही है।
- इसकी खोज 1957-58 में डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर द्वारा की गई थी। यह मध्य प्रदेश में होशंगाबाद और भोपाल के बीच रायसेन ज़िले में स्थित है।
  - यह विंध्य पर्वत की तलहटी में भोपाल से लगभग 40 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में है। अत: कथन 3 सही है।

118.

उत्तर: C

व्याख्या:

- चिश्ती सिलसिला (चिश्तिया):
  - भारत में चिश्ती सिलसिले की स्थापना ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती द्वारा की गई थी।
  - इसने ईश्वर के साथ एकात्मकता (वहदत अल-वुजुद) के सिद्धांत पर ज़ोर दिया और इस सिलसिले के सदस्य शांतिप्रिय थे।
  - उन्होंने सभी भौतिक वस्तुओं को ईश्वर के चिंतन से विकर्षण के रूप में खारिज कर दिया।
  - उन्होंने धर्मनिरपेक्ष राज्य के साथ संबंधों से दूरी बनाए रखने पर ज़ोर दिया। अत: कथन 1 सही है।
- सुहरावर्दी सिलसिला (Suhrawardi Order):
  - इसकी स्थापना शेख शहाबुद्दीन सुहरावार्दी मकतूल द्वारा की गई थी।
  - चिश्ती सिलसिले के विपरीत सुहरावर्दी सिलसिले को मानने वालों ने सुल्तानों/राज्य के संरक्षण/अनुदान को स्वीकार किया। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- नक्शबंदी सिलसिला:
  - इसकी स्थापना ख्वाजा बहा-उल-दीन नक्सबंद द्वारा की गई थी।
  - भारत में, इस सिलसिले की स्थापना ख्वाज़ा बहाउद्दीन नक्शबंदी ने की थी।
  - शुरूआत से ही इस सिलसिले के फकीरों ने शरियत के पालन पर ज़ोर दिया।
- क़दिरिया सिलसिला:
  - यह पंजाब में लोकप्रिय था।
  - इसकी स्थापना शेख अब्दुल कादिर गिलानी द्वारा 14 वीं शताब्दी में की गई थी ।
  - वे अकबर के अधीन मुगलों के समर्थक थे। अत: कथन 3 सही नहीं है।

119.

उत्तर: C

व्याख्या:

- राजा सुहेलदेव बहराइच ज़िले (उत्तर प्रदेश) के श्रावस्ती के पूर्व शासक थे, जिन्होंने 11वीं शताब्दी में शासन किया था। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - उन्हें इतिहास में महमूद गज़नवी की विशाल सेना के विरुद्ध गुरिल्ला युद्ध की शुरुआत करने के लिये जाना जाता है।
  - महाराजा सुहेलदेव, सोमनाथ मंदिर में महमूद गज़नवी द्वारा की गई लूट और हिंसा से काफी व्यथित थे, जिसके बाद उन्होंने गज़नवी के आक्रमण को रोकने के लिये थारू और बंजारा जैसे विभिन्न समुदायों के प्रमुखों और अन्य छोटे-छोटे राजाओं को एकत्रित करने का प्रयास किया।
- महाराजा सुहेलदेव का उल्लेख 'मिरात-ए-मसूदी' में भी है, जो कि 17वीं शताब्दी का फारसी-भाषा का एक ऐतिहासिक वृत्तांत है।
  - 'मिरात-ए-मसूदी' सालार मसूद गाजी की जीवनी है, जिसे मुगल सम्राट जहाँगीर के शासनकाल के दौरान 'अब्द-उर-रहमान चिश्ती' ने लिखा था। अत: कथन 2 सही नहीं है।

120.

उत्तर: C

व्याख्या:

- भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (Archeological Survey of India- ASI) ने झारखंड में सीतागढ़ी हिल्स के जुलजुल पहाड़ के पास एक टीले के नीचे दफन एक बौद्ध मठ का पता लगाया है, जिसे कम-से-कम 900 वर्ष पुराना माना जाता है।
- यहाँ पर देवी तारा की चार मूर्तियाँ वरद मुद्रा (हाथ से वरदान देने का इशारा) में हैं। अत: कथन 1 सही है।
- बुद्ध की छह मूर्तियाँ भूमिस्पर्श मुद्रा में (दाहिने हाथ की पाँच अँगुलियों द्वारा पृथ्वी की ओर इशारा करती हुई, जो कि बुद्ध के ज्ञान का प्रतीक हैं) प्राप्त हुई हैं।
- वज्रयान का अर्थ है "वज्र का वाहन", जिसे तांत्रिक बौद्ध धर्म के नाम से भी जाना जाता है। अत: कथन 2 सही है।
- यह गूढ़ तत्त्वों पर आधारित है और बाकी बौद्ध शाखाओं की तुलना में एक बहुत जटिल क्रिया पद्धति पर आधारित है।

121.

उत्तर: A

व्याख्या:

- विजयनगर या 'विजय का शहर' एक शहर और साम्राज्य दोनों का नाम था।
- इस साम्राज्य की स्थापना चौदहवीं शताब्दी (1336 ईस्वी) में संगम वंश के हरिहर और बुक्का ने की थी। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - उन्होंने हंपी को राजधानी शहर बनाया। वर्ष 1986 में हंपी को यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया था। अत: कथन 2 सही है।
- यह उत्तर में कृष्णा नदी से लेकर प्रायद्वीप के दक्षिण तक फैला हुआ है। अत: कथन 3 सही है।

- विजयनगर साम्राज्य पर निम्नलिखित चार महत्त्वपूर्ण राजवंशों ने शासन किया:
  - संगम
  - सुलुव
  - तुलुव
  - अराविडु

122.

उत्तर: D

व्याख्या:

- भक्ति आंदोलन का विकास तमिलनाडु में सातवीं और नौवीं शताब्दी के बीच हुआ। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- यह नयनार (शिव के भक्त) और अलवार (विष्णु के भक्त) की भावनात्मक कविताओं में परिलक्षित होता था।
  - इन संतों ने धर्म को एक उदासीन औपचारिक पूजा के रूप में नहीं बल्कि पूज्य और उपासक के बीच प्रेम पर आधारित एक प्रेमपूर्ण बंधन के रूप में देखा।
- गुरु रविदास 14वीं सदी के संत और उत्तर भारत में भक्ति आंदोलन के सुधारक थे। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- एक ईश्वर में विश्वास और निष्पक्ष धार्मिक कविताओं के कारण उन्हें ख्याति प्राप्त हुई।
- उन्होंने अपना पूरा जीवन जाति व्यवस्था के उन्मूलन के लिये समर्पित कर दिया और ब्राह्मणवादी समाज की धारणा की खुले तौर पर निंदा की।

123.

उत्तर: A

व्याख्या:

- सेंटिनली अंडमान के उत्तरी सेंटिनल द्वीप पर रहनी वाली पूर्व-नवपाषाण और निग्रिटो (अश्वेत तथा छोटे कद वाले) समुदाय के लोग हैं।
- वे बाहरी दुनिया से बिना किसी संपर्क के पूरी तरह से अलग-थलग हैं। लेकिन वर्ष 1991 में इस जनजातीय समुदाय द्वारा भारतीय मानव विज्ञानविदों और प्रशासकों की एक टीम से कुछ नारियल स्वीकार किये थे।
  - सेंटिनली से किसी प्रकार का संपर्क नहीं होने के कारण दूर से ही इनकी तस्वीर लेकर जनगणना की जाती है।
  - इनकी आबादी उत्तरी सेंटिनल द्वीप पर लगभग 50 से 100 के बीच है।
- सेंटिनली को भारत सरकार द्वारा विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह (Particularly Vulnerable Tribal Groups- PVTGs) के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- इन्हें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (आदिवासी जनजातियों का संरक्षण) विनियमन, 1956 द्वारा संरक्षण प्राप्त है।
  - यह विनियमन जनजातियों के कब्ज़े वाले पारंपरिक क्षेत्रों को संरक्षित क्षेत्र घोषित करता है और अधिकारियों के अलावा अन्य सभी व्यक्तियों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाता है।
  - जनजाति सदस्यों की फोटो लेना या उन पर किसी भी प्रकार के फिल्मांकन का कार्य करना एक अपराध है। अत: विकल्प A सही है।

124.

उत्तर. (D

व्याख्या:

- हाल ही में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) द्वारा अरुणाचल प्रदेश के मोनपा हस्तनिर्मित कागज़ (Monpa Handmade Paper) के पुनरुद्धार का प्रयास किया गया है।
- यह कला धीरे-धीरे अरुणाचल प्रदेश के तवांग में स्थानीय रीति-रिवाज़ों और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बन गई।
- एक समय इस हस्तनिर्मित कागज़ का उत्पादन तवांग के प्रत्येक घर में होता था और यह स्थानीय लोगों की आजीविका का एक प्रमुख स्रोत बन गया था।
- हालाँकि पिछले 100 वर्षों में यह हस्तनिर्मित कागज़ उद्योग लगभग लुप्त हो चुका है। अत: विकल्प D सही है।

125.

उत्तर: (A)

व्याख्या

भीमा-कोरेगाँव का युद्ध:

- 1 जनवरी, 1818 को पेशवा सैनिकों और अंग्रेज़ों के मध्य भीमा-कोरेगाँव में एक युद्ध हुआ।
- इस युद्ध में ब्रिटिश सेना जिसमें मुख्य रूप से दलित सैनिक शामिल थे, ने उच्च जाति-बहुल पेशवा सेना का मुकाबला किया।
  - ब्रिटिश सेना ने पेशवा सेना को हरा दिया।
  - पेशवा सेना की हार को जाति-आधारित भेदभाव और उत्पीड़न के खिलाफ एक जीत माना गया था।
- महाराष्ट्र के पुणे ज़िले में स्थित पेरने गाँव में भीमा-कोरेगाँव युद्ध के सैनिकों की स्मृति में रणस्तंभ का निर्माण किया गया है, जहाँ प्रत्येक वर्ष 1 जनवरी को इस युद्ध की वर्षगाँठ मनाई जाती है। अत: विकल्प A सही है।

126.

उत्तर. A

व्याख्या:

रंगमंच रूप/ प्रकार	राज्य	विषय
भवई	गुजरात	इसके अंतर्गत सामाजिक अन्याय को व्यंग्य के साथ प्रस्तुत किया जाता है। अत: युग्म 1 सही सुमेलित है।
जात्रा	पश्चिम बंगाल/ ओडिशा तथा पूर्वी बिहार	इसकी उत्पत्ति भक्ति आंदोलन के परिणामस्वरूप बंगाल में हुई। प्रारंभ में चैतन्य (गौड़ीय वैष्णववाद के आध्यात्मिक संस्थापक) प्रभाव के कारण इसे कृष्ण जात्रा के रूप में जाना जाता था। अत: युग्म 2 सही सुमेलित है।
कुटियाट्टम	केरल	यह संस्कृत नाट्य परंपरा पर आधारित केरल का सबसे प्राचीन लोकनाट्य है। लगभग 2000 साल पुरानी परंपरा होने के कारण यूनेस्को द्वारा वर्ष 2001 में इसे 'मानवता की मौखिक एवं अमूर्त विरासत की श्रेष्ठ कृतियों' की सूची में शामिल किया गया। अत: युग्म 3 सही सुमेलित नहीं है।
यक्षगान	कर्नाटक	यक्षगान कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों में किया जाने वाला एक प्रसिद्ध लोकनृत्य है। इसकी विषय-वस्तु मिथकीय कथाओं तथा पुराणों, विशेष तौर पर रामायण एवं महाभारत पर आधारित होती है। अत: युग्म 4 सही सुमेलित नहीं है।

127.

उत्तर: (C)

व्याख्या

- गुरु बसवेश्वरा (1134-1168) एक भारतीय दार्शनिक, समाज सुधारक व नेतृत्त्वकर्त्ता थे, जिन्होंने जातिविहीन समाज बनाने का प्रयास किया और जाति तथा धार्मिक भेदभाव के विरुद्ध संघर्ष किया।
  - बासवन्ना जयंती, एक वार्षिक कार्यक्रम है, जिसे संत बासवन्ना (भगवान बसवेश्वर) के जन्म के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।
  - गुरु बसवेश्वर का जन्म 1131 ईसवी में बागेवाड़ी (कर्नाटक के अविभाजित बीजापुर ज़िले में) नामक स्थान पर हुआ था।
  - गुरु बसवेश्वरा को लिंगायत संप्रदाय का संस्थापक भी माना जाता है। अत: कथन 1 सही है।
- उन्होंने दो अन्य महत्त्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक सिद्धांत दिये-
  - कायका (ईश्वरीय कार्य): इस सिद्धांत के अनुसार, समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी पसंद का कार्य पूरी ईमानदारी के साथ करना चाहिये।
  - दसोहा (समान वितरण)
    - समान कार्य के लिये समान आय होनी चाहिये।
    - कामगार (कायकाजीवी) अपनी मेहनत की कमाई से आसानी से जीवनयापन कर सकते हैं। उन्हें भविष्य के लिये धन या संपत्ति को संरक्षित नहीं करना चाहिये, बल्कि अधिशेष धन का उपयोग समाज तथा गरीबों के कल्याण के लिये करना चाहिये। अत: कथन 3 सही है।
- कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने बसवकल्याण में 'न्यू अनुभव मंडप' की आधारशिला रखी है, ज्ञात हो कि यह वह स्थान है जहाँ 12वीं शताब्दी के कवि-दार्शनिक बसवेश्वरा ने अपने जीवन का अधिकांश समय बिताया था।
  - यह 12वीं शताब्दी में बसवेश्वरा द्वारा बसवकल्याण में स्थापित 'अनुभव मंडप' (जिसे प्राय: विश्व की पहली संसद के रूप में संदर्भित किया जाता है) को प्रदर्शित करेगी। विदित हो कि बसवेश्वरा द्वारा स्थापित 'अनुभव मंडप' में विभिन्न दार्शनिकों और समाज सुधारकों द्वारा वाद-विवाद किया जाता था। अत: कथन 2 सही नहीं है।

128.

उत्तर: (A)

व्याख्या

- जगन्नाथ पुरी मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी में पूर्वी गंग राजवंश के राजा अनंतवर्मन चोडगंग देव द्वारा किया गया था।

- जगन्नाथ पुरी मंदिर को 'यमनिका तीर्थ' भी कहा जाता है, जहाँ हिंदू मान्यताओं के अनुसार, पुरी में भगवान जगन्नाथ की उपस्थिति के कारण मृत्यु के देवता 'यम' की शक्ति समाप्त हो गई है।
- इस मंदिर को "सफेद पैगोडा" कहा जाता था और यह चार धाम तीर्थयात्राओं (बद्रीनाथ, द्वारका, पुरी, रामेश्वरम) का एक हिस्सा है।
- मंदिर के चार (पूर्व में 'सिंहद्वार', दक्षिण में 'अश्वद्वार', पश्चिम में 'व्याघरा द्वार' और उत्तर में 'हस्तिद्वार') मुख्य द्वार हैं। प्रत्येक द्वार पर नक्काशी की गई है। अत: विकल्प (A) सही है।

129.

उत्तर: A

व्याख्या:

- पंजाब के मुक्तसर में प्रत्येक वर्ष जनवरी अथवा नानकशाही कैलेंडर के अनुसार माघ के महीने में माघी मेले का आयोजन किया जाता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
  - नानकशाही कैलेंडर को सिख विद्वान पाल सिंह पुरेवाल ने तैयार किया था ताकि इसे विक्रम कैलेंडर के स्थान पर लागू किया जा सके और गुरुपर्व एवं अन्य त्योहारों की तिथियों का पता चल सके।
- माघी वह अवसर है जब गुरु गोबिंद सिंह जी के लिये लड़ाई लड़ने वाले चालीस सिखों के बलिदान को याद किया जाता है।
  - माघी की पूर्व संध्या पर लोहड़ी त्योहार मनाया जाता है, इस दौरान परिवारों में बेटों के जन्म की शुभकामना देने के उद्देश्य से हिंदू घरों में अलाव जलाया जाता है और उपस्थित लोगों को प्रसाद बाँटा जाता है।
- मुगल शाही सेना और चाली मुक्ते के बीच यह लड़ाई 29 दिसंबर, 1705 को खिदराने दी ढाब के निकट हुई थी।
- इस लड़ाई में शहीद हुए चालीस सैनिकों (चाली मुक्ते) के शवों का अंतिम संस्कार अगले दिन किया गया जो कि माघ महीने का पहला दिन था, इसलिये इस त्योहार का नाम माघी रखा गया है। अत: कथन 1 सही है।

130.

उत्तर: C

व्याख्या:

- हाल ही में पुरातत्त्वविदों ने इंडोनेशिया में विश्व की सबसे पुरानी गुफा कला की खोज की है जिसमें एक जंगली सुअर को चित्रित किया गया है।
- यह चित्र इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर एक सुदूर घाटी में लीआंग टेडॉन्गे (Leang Tedongnge) गुफा में पाया गया है। अत: कथन 1 और 2 दोनों सही हैं।

131.

उत्तर: D

व्याख्या:

- तिरुवल्लुवर, जिन्हें वल्लुवर भी कहा जाता है, एक तमिल कवि-संत थे।
  - कुछ लोग तिरुवल्लुवर को जैन धर्म से संबंधित मानते हैं जबकि कुछ उन्हें हिंदू धर्म से संबंधित थे। द्रविड़ समूहों (Dravidian Groups) ने उन्हें एक संत माना क्योंकि वे जाति व्यवस्था में विश्वास नहीं रखते थे।
  - उनके प्राथमिक कार्य तिरुक्कुरल (तमिल साहित्य में योगदान) में 1330 दोहे (कुराल) हैं।
    - यह काव्य धर्म, अर्थ, और काम की शिक्षाओं के साथ तीन भागों में विभाजित किया गया है। अत: कथन 1 सही है।
- अक्तूबर 2002 में तमिलनाडु के वेल्लोर ज़िले में तमिलनाडु सरकार द्वारा तिरुवल्लुवर विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी।
- वर्ष 1976 में, वल्लुवर कोटम नामक एक मंदिर-स्मारक चेन्नई में बनाया गया था जो एशिया में सबसे बड़े सभागारों में से एक है। अत: कथन 2 सही है।
- 16 वीं शताब्दी की शुरुआत में, चेन्नई के मायलापुर में एकमबेश्वरेश्वर मंदिर परिसर में तिरुवल्लुवर को समर्पित एक मंदिर बनाया गया था।

132.

उत्तर: C

व्याख्या:

- हाल ही में प्रधानमंत्री ने गुरु गोविंद सिंह को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। वह दस सिख गुरुओं में से अंतिम थे। गुरु गोविंद सिंह का जन्म 22 दिसंबर, 1666 को पटना, बिहार में हुआ था
- उन्हें सिख धर्म में उनके महत्त्वपूर्ण योगदान के लिये जाना जाता है, जिसमें बालों को ढकने के लिये पगड़ी की शुरुआत शामिल है।
- उन्होंने खालसा पंथ की भी स्थापना की। अत: कथन 1 सही है।

133.

उत्तर: C

व्याख्या:

- त्रिपुरा की राज्य सरकार का लक्ष्य वहाँ के पारंपरिक परिधान रिसा (Risa) को राष्ट्रीय स्तर पर त्रिपुरा के विशिष्ट परिधान (Tripura's Signature Garment) के रूप में बढ़ावा देना है।
- रिसा के संबंध में:
  - रिसा हाथ से बना एक कपड़ा है जिसका इस्तेमाल महिलाएँ शरीर के ऊपरी हिस्से को ढकने के लिये करती हैं। अत: कथन 1 सही है।
  - पारंपरिक त्रिपुरी पोशाक के तीन हिस्से होते हैं- रिसा, रिग्नयी और रिकुतु।

- रिग्नयी: इसे मुख्य रूप से शरीर के निचले परिधान के रूप में जाना जाता है। इसका शाब्दिक अर्थ है 'पहनने के लिये'। इसे भारत के मुख्य परिधान 'साड़ी' की स्वदेशी किस्म के रूप में समझा जा सकता है।
- रिकुतु: रिकुतु से शरीर के ऊपरी हिस्से को साड़ी की तरह ढकते हैं। रिकुतु का प्रयोग भारतीय साड़ी की चुनरी या पल्लू के तौर पर भी किया जाता है।

- कभी-कभी रिसा का उपयोग किसी व्यक्ति को टोपी या स्टोल देकर उसके प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिये भी किया जाता है।

- त्रिपुरा की 12 से 14 वर्ष की किशोर लड़कियों को सबसे पहले रिसा को रिसा नामक कार्यक्रम में पहनने के लिये दिया जाता है।
  - रिसा का उपयोग पुरुषों द्वारा शादी और त्योहारों के दौरान पगड़ी के रूप में भी किया जाता है।
  - इसका प्रयोग आदिवासी समुदायों द्वारा धार्मिक महोत्सव जैसे गरिया पूजा में किया जाता है।
    - गरिया पूजा महोत्सव
- यह त्रिपुरा का एक प्रमुख महोत्सव है, जिसका आयोजन चैत्र महीने के अंतिम दिन किया जाता है।
- यह त्रिपुरा की नृजातीय जनजातियों- त्रिपुरी और रींगस द्वारा एक फसल उत्सव के रूप में मनाया जाता है। अत: कथन 2 सही है।

134.

Ans: C

Exp:

- कला उत्सव शिक्षा के क्षेत्र में कला को बढ़ावा देने के लिये केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय (MoE) की एक पहल है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - इस कार्यक्रम को राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA) के तहत शुरू किया गया था, जिसे अब 'समग्र शिक्षा - स्कूल शिक्षा के लिये एक एकीकृत योजना' के तहत अन्य योजनाओं के साथ मिला दिया गया है।
  - यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिशों के अनुरूप है जो शिक्षा के माध्यम से कला और संस्कृति को बढ़ावा देने पर ज़ोर देती है।
- कला उत्सव का उद्देश्य देश में माध्यमिक स्तर पर स्कूली छात्रों की कलात्मक प्रतिभा को पहचानना, इसके पोषण और प्रदर्शन के लिये मंच प्रदान करना है।
- ज़िला/राज्य/राष्ट्रीय स्तर पर इस उत्सव की संरचना एक कला उत्सव के रूप में की गई है जिसमें कला प्रस्तुतियाँ एवं प्रदर्शनियाँ सम्मिलित हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- यह माध्यमिक स्तर के छात्रों के लिये सौंदर्यशास्त्र और कलात्मक अनुभवों को बढ़ाकर, समग्र शिक्षा योजना (Samagra Shiksha Scheme) को अतिरिक्त समर्थन प्रदान करता है, जो 'एक भारत श्रेष्ठ भारत'के अनुरूप भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और इसकी जीवंत विविधता के बारे में जागरूकता फैलाने में प्रमुख भूमिका निभाता है।
- कला को बढ़ावा देने हेतु शुरू की गई अन्य पहलें:
  - कला संस्कृति विकास योजना (केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय)। अत: कथन 3 सही है।
  - अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिये योजना (केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय)।

135.

उत्तर: C

व्याख्या:

कोन्याक के बारे में:

- कोन्याक सबसे बड़ी जनजाति हैं, इसके बाद नगालैंड में एओ, तंगखुल, सेमा और अंगामी हैं। अत: कथन 1 सही है।
- अन्य नगा जनजातियों में लोथा, संगतम, फोम, चांग, खिमनुंगम, यिमचुंगरे, जेलियांग, चाखेसांग (चोकरी) और रेंगमा शामिल हैं।
- माना जाता है कि 'कोन्याक' शब्द 'व्हाओ' शब्द से लिया गया है जिसका अर्थ है 'सिर' और 'न्याक' का अर्थ है 'काला'। इसका अनुवाद 'काले बालों वाला पुरुष' है।
- उन्हें दो समूहों में बाँटा जा सकता है- 'थेंडु', जिसका अर्थ है 'टैटू वाला चेहरा' और 'थेंथो', जिसका अर्थ है 'सफेद चेहरा'।
- तीन सबसे महत्त्वपूर्ण त्योहार एओलिंगमोन्यु, एओनिमो और लाउन-ओंगमो हैं।
  - एओलिंगमोन्यु अप्रैल के पहले सप्ताह में बीज बोने के बाद मनाया जाता है और यह नए साल की शुरुआत का प्रतीक है। इसका धार्मिक महत्त्व समृद्ध फसल के लिये भगवान को प्रसन्न करना है। अत: कथन 2 सही है।
  - पहली फसल जैसे- मक्का और सब्जियों की कटाई के बाद जुलाई या अगस्त में एओनिमो मनाया जाता है।
  - लाउन-ओंगमो एक धन्यवाद देने वाला त्योहार है और सभी कृषि गतिविधियों के पूरा होने के बाद मनाया जाता है।

136.

उत्तर: C

व्याख्या:

अहोम साम्राज्य:

- संस्थापक:
- छोलुंग सुकफा (Chaolung Sukapha) 13वीं शताब्दी के अहोम साम्राज्य के संस्थापक थे, जिन्होंने छह शताब्दियों तक असम पर शासन किया था। अहोम शासकों का इस भूमि पर नियंत्रण वर्ष 1826 की यांडाबू की संधि (Treaty of Yandaboo) होने तक था। अत: कथन 3 सही है।

- राजनीतिक व्यवस्था:
- अहोमों ने भुइयाँ (ज़मींदारों) की पुरानी राजनीतिक व्यवस्था को समाप्त कर एक नया राज्य बनाया।
- अहोम राज्य बंधुआ मज़दूरों (Forced Labour) पर निर्भर था। राज्य में इस प्रकार की मज़दूरी करने वालों को पाइक (Paik) कहा जाता था। अत: कथन 1 सही है।
- समाज:
- अहोम समाज को कुल/खेल (Clan/Khel) में विभाजित किया गया था। एक कुल/खेल का सामान्यत: कई गाँवों पर नियंत्रण होता था।
- अहोम साम्राज्य के लोग अपने आदिवासी देवताओं की पूजा करते थे, फिर भी उन्होंने हिंदू धर्म और असमिया भाषा को स्वीकार किया।
  - हालाँकि अहोम राजाओं ने हिंदू धर्म अपनाने के बाद अपनी पारंपरिक मान्यताओं को पूरी तरह से नहीं छोड़ा।
  - अत: कथन 2 सही नहीं है।

137.:

उत्तर: B

व्याख्या:

- हाल ही में केंद्रीय संस्कृति मंत्री ने कर्नाटक के 'हम्पी' में भारत के मंदिर वास्तुकला पर एक तरह के एक अनोखे सम्मेलन 'देवायतनम' का उद्घाटन किया।
- यह 'आज़ादी के अमृत महोत्सव' का एक हिस्सा है और संस्कृति मंत्रालय के भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) द्वारा 25-26 फरवरी को आयोजित किया जा रहा है।
- यह सम्मेलन भारतीय मंदिरों, कला एवं वास्तुकला की भव्यता पर चर्चा, विचार-विमर्श और दुनिया में प्रसारित करने के लिये एक मंच प्रदान करता है।
- यह प्रधानमंत्री की समग्र दृष्टि के अनुरूप है, जो 5V's पर आधारित है, अर्थात्- विकास, विरासत, विश्वास,, ज्ञान, जो हमें विश्वगुरु बनने की ओर ले जा सकते हैं। अत: विकल्प B सही है।

138.

उत्तर: C

व्याख्या:

- लाचित बोड़फुकन (Lachit Borphukan) का जन्म 24 नवंबर, 1622 को हुआ था। इन्होंने वर्ष 1671 में हुए सराईघाट के युद्ध (Battle of Saraighat) में अपनी सेना को प्रभावी नेतृत्व प्रदान किया, जिससे मुगल सेना का असम पर कब्ज़ा करने का प्रयास विफल हो गया था।
  - इनसे भारतीय नौसैनिक शक्ति को मज़बूत करने, अंतर्देशीय जल परिवहन को पुनर्जीवित करने और नौसेना की रणनीति से जुड़े बुनियादी ढाँचे के निर्माण की प्रेरणा ली गई।
  - इसे एक नदी पर होने वाली सबसे बड़ी नौसैनिक लड़ाई के रूप में जाना जाता है, जिसमें मुगल सेना की हार और अहोम सेना की जीत हुई। अत: कथन 1 सही है।
- सराईघाट का युद्ध (Battle of Saraighat) वर्ष 1671 में गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र (Brahmaputra) नदी के तट पर लड़ा गया था। अत: कथन 2 सही है।

139.

उत्तर: C

व्याख्या:

- कोया जनजाति तेलंगाना की सबसे बड़ी आदिवासी जनजाति है और तेलंगाना में अनुसूचित जनजाति (Scheduled Tribe) के रूप में सूचीबद्ध है।
  - यह समुदाय तेलुगू भाषी राज्यों तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में फैला हुआ है।
- कोया स्वयं को लोकप्रिय रूप में डोराला सट्टम (लॉर्ड्स ग्रुप) और पुट्टा डोरा (ओरिजिनल लॉर्ड्स) कहते हैं। गोंड जनजाति की तरह कोया अपनी बोली में स्वयं को "कोइतूर" कहकर बुलाते हैं।
- गोदावरी और सबरी नदियाँ जो अपने मूल क्षेत्र से होकर बहती हैं कोया के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन पर गहरा प्रभाव डालती हैं।
- कोया त्योहारों और विवाह समारोहों के दौरान पर्माकोक अटा (बाइसन हॉर्न डांस) नामक एक मनमोहक नृत्य करते हैं। अत: विकल्प C सही है।

140.

उत्तर: B

व्याख्या:

- मध्यकालीन भारत में किसानों को ऋण (तक्कावी) देने का पहला दर्ज उदाहरण मुहम्मद-बिन-तुगलक (1325-51) के शासन में मिलता है, जिसका उद्देश्य ग्रामीणों के समक्ष मौजूद तत्कालीन संकट को कम करना था।
  - उन्होंने फसल पैटर्न में सुधार और खेती के विस्तार के लिये एक भव्य योजना का भी प्रस्ताव रखा।
- फिरोज तुगलक ने पूर्व-आधुनिक भारत में ज्ञात नहरों का सबसे बड़ा नेटवर्क बनाया, मुहम्मद इब्न तुगलक द्वारा किसानों कोपूर्व में दिये गए ऋणों को माफ कर दिया और इन सबमें सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण यह था कि उसने पूर्वव्यापी आनुपातिक कर प्रणाली के विपरीत एक निश्चित कर की नीति लागू की, इस प्रकार सामान्य समय में बिचौलियों को अधिशेष का एक बड़ा हिस्सा देने की गारंटी दी गई। अत: विकल्प B सही है।